दिल्ली एवं उत्तर प्रदेश से एक साथ प्रकाशित ››› दिल्ली ››› गाजियाबाद ››› नोएडा ››› ग्रेटर नोएडा ››› हापुड़ ››› अमरोहा ››› बागपत ››› मेरठ ››› मुजफ्फर नगर ››› बिजनौर ››› मुरादाबाद ››› बुलंदशहर ››› अलीगढ़ ››› फरीदाबाद ››› गुड़गांव ››› सोनीपत

RNI-UPHIN/2009/30721

मंगलवार 06 मई 2025

सूर्योदय प्रात: 05 :34 बजे

सूर्यास्त सांय 19 : 00 बजे

एनसीआर टुडे

करंट न्यूज करंट व्यूज

पृष्ठ 4 भारत-पाकिस्तान सैन्य गतिरोध में कहां खड़ा है भारत?

उत्तर प्रदेश और दिल्ली से एक साथ प्रकाशित | वर्ष: 16 | अंक : 200 | गाजियाबाद, मंगलवार 06 मई 2025 | मूल्य : ₹ 2 | पेज : 06 | विक्रमी संवत् 2081 | युगाब्द 5126 | शाक 1946

सुरक्षित रखे गए निर्णयों पर उच्च न्यायालयों से रिपोर्ट सुप्रीम कोर्ट ने मांगी

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

उच्चतम न्यायालय ने वर्षों तक निर्णय सुरक्षित रखने के बाद भी फैसला न सुनाए जाने पर सोमवार को आपत्ति जतायी और सभी उच्च न्यायालयों से एक महीने के भीतर उन मामलों से संबंधित रिपोर्ट मांगी, जिनमें 31 जनवरी, 2025 को या उससे पहले निर्णय सुरक्षित रखे गए हैं। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति एन कोटिश्वर सिंह की पीठ ने इस संबंध में निर्देश जारी करते हुए कहा कि यह अदालत उच्च न्यायालयों के लिए कुछ अनिवार्य दिशा-निर्देश तय करेगी।

पीठ ने उच्च न्यायालय द्वारा इस तरह से निर्णय न सुनाए जाने को ' बहुत परेशान करने वाला मुद्दा' बताया। पीठ ने कहा " देखते हैं। ईमानदारी से कहूं तो यह बहुत परेशान करने वाला मुद्दा है, लेकिन हमें परिस्थितियों का पता नहीं है - ऐसा क्यों हुआ - लेकिन हम निश्चित रूप से कुछ अनिवार्य दिशा-निर्देश तय करना चाहेंगे। इसे इस तरह से होने नहीं दिया जा सकता।" झारखंड उच्च न्यायालय के रजिस्ट्रार जनरल द्वारा चार आजीवन कारावास की सजा पाए दोषियों की याचिका पर एक रिपोर्ट दायर

की गई थी, जिसमें शिकायत की थी कि उच्च न्यायालय ने 2022 में अपना आदेश सुरक्षित रखने के बावजूद उनकी आपराधिक अपीलों पर अपना फैसला नहीं सुनाया है।

पीठ ने कहा " झारखंड उच्च न्यायालय के रजिस्ट्रार जनरल द्वारा भेजी गई रिपोर्ट को देखने के बाद, हमें ऐसा लगता है कि हमें सभी उच्च न्यायालयों से ऐसी रिपोर्ट मिलनी चाहिए।" शीर्ष अदालत ने सभी उच्च न्यायालयों से चार सप्ताह के भीतर रिपोर्ट मांगते हुए कहा कि सूचना में आपराधिक अपीलों और दीवानी मामलों का अलग-अलग विवरण होना चाहिए, साथ ही यह भी स्पष्ट किया जाना चाहिए कि यह खंडपीठ का मामला है या एकल न्यायाधीश का।

पीठ ने कहा कि झारखंड उच्च न्यायालय के समक्ष कुल 67 मामले लंबित हैं, जिनमें आदेश सुरक्षित रखा गया है, लेकिन आज तक निर्णय नहीं सुनाया गया है।

शीर्ष अदालत ने पाया कि कुछ आपराधिक अपीलों सहित 56 मामले हैं, जिनमें उच्च न्यायालय की खंडपीठ ने 4 जनवरी, 2022 से लेकर 16 दिसंबर 2024 तक तक अलग-अलग तारीखों पर मामलों की सुनवाई की है लेकिन इन मामलों में अंतिम फैसले का इंतजार है।

पीठ ने अपने आदेश में दर्ज किया " एक अन्य न्यायाधीश के समक्ष 11 एकल न्यायाधीश मामले भी हैं, जहां 25 जुलाई, 2024 से 27 सितंबर, 2024 तक अलग-अलग तारीखों पर आदेश सुरक्षित रखे गए हैं।" पीठ ने झारखंड उच्च न्यायालय के रजिस्ट्रार जनरल को उन 75 आपराधिक अपीलों की सूची प्रस्तुत करने का निर्देश दिया, जिनमें उच्च न्यायालय द्वारा निर्णय सुनाए गए हैं।

वक्फ मामलों की सुनवाई 15 को, न्यायमूर्ति गवई की अध्यक्षता में होगी

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

सुप्रीम कोर्ट में वक्फ संशोधन कानून को लेकर दाखिल याचिकाओं पर अब 15 मई को सुनवाई होगी। सोमवार 5 मई को चीफ जस्टिस संजीव खन्ना की अध्यक्षता वाली बेंच ने कहा कि इस मामले में गहराई से सुनवाई की आवश्यकता है।

चूंकि 13 मई को सीजेआई खन्ना रिटायर हो रहे हैं इसलिए अब यह मामला नए चीफ जस्टिस भूषण रामाकृष्ण गवई की बेंच के सामने पेश किया जाएगा।

सीजेआई खन्ना, जस्टिस संजय कुमार और जस्टिस केवी विश्वनाथन की पीठ ने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा दाखिल हलफनामे में वक्फ बाय यूजर जैसी संपत्तियों के पंजीकरण को लेकर कुछ अहम बिंदु सामने आए हैं। लेकिन हलफनामे में सभी पहलुओं पर विश्तार से स्पष्टीकरण नहीं दिया गया है।

सीजेआई ने कहा, 'मैं कोई अंतरिम आदेश सुरक्षित नहीं रखना चाहता, लेकिन कुछ मुद्दों पर और साफ-साफ जवाब चाहिए।'

सुनवाई के दौरान एक भावनात्मक पल भी आया जब सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि वह सीजेआई संजीव खन्ना के रिटायरमेंट से दुखी हैं। उन्होंने कहा कि खन्ना साहब की अदालत में पेश होना हमेशा एक सकारात्मक अनुभव रहा है।

सीजेआई खन्ना को सौंपी गई विवादों से घिरे न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा के खिलाफ जांच रिपोर्ट

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा के खिलाफ आरोपों की जांच करने के लिए गठित न्यायाधीशों की तीन सदस्यीय समिति ने अपनी रिपोर्ट मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना को सौंप दी है।

उच्चतम न्यायालय की ओर से सोमवार को एक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर यह जानकारी दी गई। विज्ञप्ति के अनुसार, समिति ने चार मई को अपनी रिपोर्ट दी। समिति ने तीन मई को अपनी रिपोर्ट को अंतिम रूप दे दिया था। रिपोर्ट की विषय-वश्तु और निष्कर्ष अभी तक उजागर नहीं किए गए हैं।

इस समिति में पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति शील नागू, हिमाचल प्रदेश उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति जी एस संधावालिया और कर्नाटक उच्च न्यायालय की न्यायाधीश न्यायमूर्ति अनु शिवरामन शामिल हैं।

न्यायाधीशों की यह समिति न्यायमूर्ति वर्मा के निवास पर 14-15 मार्च की रात को (दिल्ली उच्च न्यायालय के न्यायाधीश पद पर रहने के दौरान) आग लगने की घटना के दौरान उनके सरकारी बंगले के बाहरी हिस्से में नकदी के ढेर मिलने के मामले की जांच की है।

विवाद के बाद इलाहाबाद उच्च न्यायालय न्यायालय तबादला किये गए न्यायमूर्ति वर्मा आगजनी की घटना के दिन दिल्ली के अपने सरकारी आवास पर मौजूद नहीं थे। के. वीरास्वामी बनाम भारत संघ (1991) में सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय के अनुसार, भारत के मुख्य न्यायाधीश की पूर्व अनुमति के बिना किसी उच्च न्यायालय या सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश के विरुद्ध कोई आपराधिक मामला दर्ज नहीं किया जा सकता।

न्यायमूर्ति वर्मा को 14-15 मार्च की रात अपने आधिकारिक आवास में आग लगने की घटना के दौरान कथित रूप से बेहिसाब धन मिलने के बाद जांच का सामना करना पड़ा। इस मामले में मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना ने 22 मार्च को आंतरिक जांच के तहत समिति गठित करने का आदेश दिया था।

जापान ने पहलगाम हमले पर एकजुटता व्यक्त करते हुए भारत को पूर्ण समर्थन दिया : राजनाथ

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा है कि जापान ने पहलगाम हमले पर भारत के साथ एकजुटता व्यक्त करते हुए उसे पूर्ण समर्थन का भरोसा दिया है। श्री सिंह ने भारत की यात्रा पर आये जापान के रक्षा मंत्री जनरल नाकातानी सैन के साथ सोमवार यहां द्विपक्षीय वार्ता के बाद यह बात कही। उन्होंने कहा कि बैठक में रक्षा सहयोग और क्षेत्रीय सुरक्षा पर चर्चा की गयी। दोनों देशों ने सभी तरह के आतंकवाद की निंदा की और सीमा पार खतरों से निपटने के लिए परस्पर सहयोग पर बल दिया। रक्षा मंत्री ने द्विपक्षीय वार्ता के बाद सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर कहा, " नई दिल्ली में जापान के रक्षा मंत्री जनरल नाकातानी सैन से मिलकर बहुत खुशी हुई। भारत और जापान के बीच विशेष, रणनीतिक और वैश्विक साझेदारी है। द्विपक्षीय बैठक के दौरान हमने रक्षा सहयोग और क्षेत्रीय सुरक्षा पर चर्चा की।

जलवायु परिवर्तन एक वैश्विक खतरा : धनखड़

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने जलवायु परिवर्तन को वैश्विक संकट करार देते हुए कहा है कि स्वस्थ वन स्वस्थ जीवन का आधार हैं। श्री धनखड़ ने सोमवार को सिरसी के वानिकी महाविद्यालय में 'राष्ट्र निर्माण में वानिकी की भूमिका' विषय पर आयोजित एक विशेष कार्यक्रम में विद्यार्थियों से बातचीत करते हुए कहा कि हमें अपने वनों की रक्षा करने और हर संभव तरीके से योगदान देने का संकल्प लेना चाहिए, क्योंकि जलवायु परिवर्तन एक वैश्विक चुनौती है। उन्होंने कहा कि यह एक वैश्विक खतरा है और स्थिति चिंताजनक रूप से गंभीर है। उन्होंने कहा कि वन अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। यदि किसी देश के वन अच्छी स्थिति में हैं, तो उसके लोगों का स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। उन्होंने कहा कि कृषि हमारी जीवन रेखा है।

पुतिन ने पीएम मोदी से की फोन पर बात, कहा- आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में भारत के साथ रूस

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। विदेश मंत्रालय ने बताया कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को फोन करके पहलगाम में हुए आतंकी हमले की कड़ी निंदा की। उन्होंने निर्दोष लोगों की मौत पर गहरी संवेदना व्यक्त की और आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में भारत को पूरा समर्थन देने की बात कही। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि इस जघन्य हमले के दोषियों और उनके समर्थकों को न्याय के कटघरे में लाया जाना चाहिए। दोनों नेताओं ने भारत-रूस के बीच रणनीतिक साझेदारी को और गहरा करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, "राष्ट्रपति पुतिन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को फोन किया और पहलगाम में हुए आतंकी हमले की कड़ी निंदा की।

सीबीआई ने रिश्वतखोरी के आरोप में ऑयल इंडिया के अधिकारी और अन्य को किया गिरफ्तार

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने असम के दुलियाजान में तैनात ऑयल इंडिया लिमिटेड के एक उप महाप्रबंधक और एक निजी कंपनी की कार्यकारी को सात लाख रुपये की कथित रिश्वतखोरी के आरोप में गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि ऑयल इंडिया लिमिटेड (ओआईएल) के उप महाप्रबंधक (डीजीएम) प्रयास चक्रवर्ती ने निजी कंपनी के पक्ष में कुछ अनुबंध देने के लिए नोएडा स्थित यूनाइटेड ड्रिलिंग टूल्स लिमिटेड की डीजीएम ज्योति कुमार सिंह से कथित तौर पर रिश्वत मांगी थी।

सनराइजर्स हैदराबाद बनाम दिल्ली कैपिटल्स मैच बारिश के कारण रद्द

✷ वेबवार्ता. हैदराबाद ✷

सनराइजर्स हैदराबाद और दिल्ली कैपिटल्स के बीच सोमवार को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 55वें मैच को एक पारी के बाद आई बारिश के कारण रद्द कर दोनों टीमों के बीच एक-एक अंक बांट दिये गये है।

पहली पारी में दिल्ली ने बल्लेबाजी करते हुए सात विकेट पर 133 रन का स्कोर बनाया था। इसके बाद बारिश शुरु हो गई। बारिश रूकने के बाद अम्पायरों और दोनों टीमों के कप्तानों ने मैदान का निरीक्षण किया।

जिसके बाद अम्पायरों ने मैच को रद्द घोषित करते हुए दोनों टीमों के बीच एक-एक अंक बांट दिये। इसी के साथ सनराइजर्स हैदराबाद प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो गई है।

इससे पहले आज यहां सनराइजर्स हैदराबाद के कप्तान पैट कमिंस ने टॉस जीतकर दिल्ली कैपिटल्स को पहले बल्लेबाजी के लिये आमंत्रित किया। बल्लेबाजी करने उतरी दिल्ली कैपिटल्स पर हैदराबाद सनराइजर्स के गेंदबाज कहर बने टूटे।

पैट कमिंस ने दिल्ली के तीन शीर्ष बल्लेबाज करुण नायर (शून्य), फाफ डुप्लेसी (तीन) और अभिषेक पोरेल (आठ) को अपना शिकार बनाकर मैच पर दबाव बनाया। इसके बाद हर्षल पटेल ने कप्तान अक्षर पटेल (छह) को आउट कर दिल्ली को चौथा झटका दिया। आठवें ओवर की पहली गेंद पर के एल राहुल (10) को जयदेव उनादकट ने आउटकर सनाइजर्स हैदराबाद को पांचवी सफलता दिलाई। ऐसे संकट के समय ट्रिस्टन स्टब्स और विप्रज निगम ने पारी को संभालने का प्रयास किया।

आरक्षण की 50 प्रतिशत की सीमा खत्म हो, निजी शिक्षण संस्थानों में आरक्षण लागू हो: कांग्रेस

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

कांग्रेस ने सोमवार को कहा कि जातिगत जनगणना के साथ ही यह सुनिश्चित होना चाहिए कि आरक्षण की 50 प्रतिशत की सीमा खत्म हो तथा निजी शिक्षण संस्थानों में आरक्षण लागू किया जाए।

पार्टी के ओबीसी, अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति विभागों के प्रमुखों ने संवाददाताओं से बातचीत में यह दावा भी किया कि कांग्रेस और राहुल गांधी के दबाव में सरकार जातिगत जनगणना के लिए तैयार हुई है।

कांग्रेस के ओबीसी विभाग के अध्यक्ष अनिल जयहिंद ने कहा, ''जब मनमोहन सिंह जी प्रधानमंत्री और अर्जुन सिंह जी शिक्षा मंत्री थे, तब हमारे संविधान में 93वां संशोधन किया गया था और उसमें अनुच्छेद 15(5) के तहत दलितों, आदिवासियों और समाज के सामाजिक और शैक्षणिक रुप से पिछड़े वर्ग के लोगों के लिए शिक्षण संस्थानों में आरक्षण का प्रावधान लागू हुआ।'' उन्होंने कहा कि उस समय सरकारी शिक्षण संस्थानों में ये आरक्षण लागू हो गया, लेकिन निजी संस्थानों के लोग इसे अदालत में ले गए, जहां ये मामला आगे बढ़ता चला गया। जयहिंद ने दावा किया कि मोदी सरकार ने पिछले 11 वर्षों में इसको लेकर कोई कदम नहीं उठाया। उन्होंने कहा कि निजी शिक्षण संस्थानों में आरक्षण लागू किया जाना चाहिए।

कांग्रेस के अनुसूचित जनजाति विभाग के अध्यक्ष विक्रांत भूरिया ने कहा, ''पहले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी कहते थे कि जाति की बात करना पाप है और यह 'अर्बन नक्सल' की सोच है, लेकिन अब यू-टर्न ले लिया, क्योंकि इन्हें पता चल गया है कि यह बहुत बड़ी क्रांति है।'' उन्होंने सवाल किया कि जातिगत जनगणना के लिए भाजपा सरकार की रूपरेखा, समयसीमा और प्रक्रिया क्या होगी? भूरिया ने कहा, ''सरकार और प्रधानमंत्री से मांग है कि हमें जातिगत जनगणना पर 'हेडलाइन' नहीं चाहिए। हमें जातिगत जनगणना की 'टाइमलाइन और डेडलाइन' चाहिए।''

नीट यूजी 2025 में आधार फेस ऑथेंटिकेशन का सफल परीक्षण

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई) ने नई दिल्ली में नीट यूजी 2025 परीक्षा के दौरान फेस ऑथेंटिकेशन तकनीक का सफलतापूर्वक परीक्षण किया।

यह पहल नेशनल इन्फॉर्मेटिक्स सेंटर (एनआईसी) और नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) के सहयोग से की गई।

इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्रालय के अनुसार परीक्षण सफल रहा। इस पहल ने यह भी दिखाया कि आधार फेस ऑथेंटिकेशन बड़े पैमाने पर परीक्षाओं में एक सुरक्षित, स्केलेबल और छात्र अनुकूल समाधान हो सकता है। इससे भविष्य में परीक्षा प्रणाली में पहचान संबंधी धोखाधड़ी को रोकने में भी मदद मिल सकती है। इस परीक्षण का उद्देश्य उम्मीदवारों की पहचान सत्यापित करने के लिए आधार आधारित फेस ऑथेंटिकेशन की व्यवहार्यता और प्रभावशीलता का मूल्यांकन करना था। चयनित परीक्षा केंद्रों पर इसे एनआईसी की डिजिटल प्रणाली और एनटीए की परीक्षा प्रक्रियाओं के साथ एकीकृत किया गया।

फेस ऑथेंटिकेशन तकनीक को वाश्तविक समय में आधार के बायोमेट्रिक डाटाबेस का उपयोग करते हुए लागू किया गया।

इससे यह प्रक्रिया पूरी तरह संपर्करहित और तेज बनी रही। परीक्षण के परिणामों ने उम्मीदवारों की पहचान सत्यापन में उच्च श्तर की सटीकता और दक्षता को दर्शाया।

पाक आतंकवादियों के हॉरर शो का निर्माता, निर्देशक और वितरक : नकवी

एनसीआर टुडे. नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी ने कहा कि पहलगाम हमले के गुनहगार बच नहीं पाएंगे। यह दुनिया जानती है कि पाकिश्तान आतंकवादियों के हॉरर शो का सबसे बड़ा निर्माता, निर्देशक और वितरक है।

भाजपा नेता नकवी ने आज सोमवार को संक्षिप्त 'वीडियो प्रेस नोट' में पाकिश्तान पोषित आतंकवाद के घृणित चेहरे पर करारी चोट की। भाजपा नेता ने कहा कि पहलगाम हमला सिर्फ भारत के लिए नहीं, बल्कि समूची दुनिया और मानवता के लिए चुनौती है। पाकिश्तान आतंक की फसल को अपना राष्ट्रीय कर्तव्य समझता है। आज इसी फसल की वजह से वह कंगाली के कगार पर पहुंच गया है। इसी कंगाली ने उसे मवाली बना दिया है। पहलगाम के जालिमों को नेश्तनाबूद करने का वक्त आ गया है। इन जालिमों को ऐसी सजा मिलेगी कि यह आतंकवाद के आकाओं के लिए बड़ा सबक होगा।

'दूसरी एफआईआर दर्ज करने की जरूरत नहीं', बदलापुर एनकाउंटर मामले में सुप्रीम कोर्ट ने हाई कोर्ट के आदेश पर लगाई रोक

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को बदलापुर एनकाउंटर मामले में राज्य सरकार को बड़ी राहत दी। पीठ ने बदलापुर एनकाउंटर मामले में कथित तौर पर दोषी पुलिसकर्मियों पर एफआईआर दर्ज करने के बॉम्बे हाई कोर्ट के आदेश पर रोक लगा दी है।

दरअसल, पिछले साल ठाणे जिले के बदलापुर में नाबालिग मासूम बच्ची का यौन शोषण किया गया था। इसके बाद आरोपी अक्षय शिंदे को 23 सितंबर 2024 को पुलिस एनकाउंटर में मारा गया था। इस मामले को लेकर अक्षय शिंदे के परिवार की तरफ से बॉम्बे हाई कोर्ट में एक याचिका दायर की गई और उन्होंने ठाणे पुलिस पर फर्जी एनकाउंटर का आरोप लगाया।

बॉम्बे हाई कोर्ट ने सुनवाई के दौरान प्राथमिक तौर पर इस एनकाउंटर को संदिग्ध मानते हुए दोषी पुलिसकर्मियों पर एफआईआर दर्ज करने का आदेश दिया था। इसके साथ ही पिछले हफ्ते कोर्ट ने ठाणे पुलिस कमिश्नर को फटकार लगाते हुए 4 घंटे में इसका जवाब मांगा था। इस मामले को लेकर राज्य सरकार की तरफ से सुप्रीम कोर्ट का रुख किया गया। अदालत ने सोमवार को इस मामले में सुनवाई करते हुए राज्य सरकार और ठाणे पुलिस को बड़ी राहत दी।

अदालत ने कथित तौर पर दोषी पुलिसकर्मियों पर एफआईआर दर्ज करने के बॉम्बे हाई कोर्ट के आदेश पर रोक लगा दी। कोर्ट ने कहा कि इसकी जांच की जा सकती है, लेकिन दूसरी एफआईआर दर्ज करने की कोई जरूरत नहीं है।

बता दें कि सफाई कर्मचारी अक्षय शिंदे पर दो नाबालिग लड़कियों का यौन उत्पीड़न करने का आरोप था। बाद में शिंदे पुलिस एनकाउंटर में मारा गया था। जानकारी के अनुसार, अक्षय शिंदे को तलोजा जेल से बदलापुर स्थानांतरित किया जा रहा था। इसी

सीबीआई के नये निदेशक के चयन के लिये मोदी की अध्यक्षता में बैठक, न्यायमूर्ति खन्ना, राहुल शामिल

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केन्द्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) के नये निदेशक का नाम तय करने के लिये सोमवार को यहां चयन समिति की बैठक हुई।

प्रधानमंत्री कार्यालय में आयोजित इस बैठक में उच्चतम न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी शामिल हुये। सीबीआई निदेशक प्रवीण सूद का कार्यकाल 25 मई को समाप्त हो रहा है।

केन्द्रीय सतर्कता आयोग और उच्चतम न्यायालय के निर्देशों के अनुसार सीबीआई निदेशक का कार्यकाल कम से कम दो वर्ष का होना अनिवार्य है और न्यायालय ने यह भी व्यवस्था दी है कि इस पद पर उसी अधिकारी के नाम पर विचार किया जा सकता है, जि स का सेवाकाल कम से कम छह माह जरूर बचा हो।

संक्षिप्त समाचार

खरगे से मिलूंगा और गोगोई के 'पाकिस्तान प्रवास' के बारे में पूछूंगा : हिमंत विश्व शर्मा

गुवाहटी, एजेंसी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने रविवार को कहा कि वह कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे से मुलाकात करेंगे और पूछेंगे कि विपक्षी पार्टी ने सांसद गौरव गोगोई को टिकट क्यों दिया, जिन्होंने कथित तौर पर पाकिस्तान का दौरा किया था। शर्मा पर पलटवार करते हुए लोकसभा में कांग्रेस के उपनेता गोगोई ने उन्हें इस मुद्दे पर राज्य की भाजपा सरकार द्वारा गठित विशेष जांच दल (एसआईटी) के निष्कर्षों को सार्वजनिक करने की चुनौती दी। पंचायत चुनाव के सिलसिले में प्रचार के दौरान पत्रकारों से बात करते हुए मुख्यमंत्री ने दावा किया कि गोगोई की ब्रिटिश पत्नी एलिजाबेथ कोलबर्न ने 19 बार पाकिस्तान की यात्रा की थी। उन्होंने कहा, ''कांग्रेस और पाकिस्तानी एक जैसे हैं। उन्हें पाकिस्तान से हमदर्दी है। मैं सारी जानकारी लेकर खरगे से मिलूंगा। हमें जवाब चाहिए। मैं उनसे पूछूंगा कि अगर आपके सांसद का व्यवहार ऐसा है, तो आप ऐसे व्यक्ति को टिकट क्यों देते हैं? मैं यहीं नहीं रुकूंगा, मैं आगे भी सवाल करना जारी रखूंगा।'' शर्मा ने कहा, ''पाकिस्तान में देखने लायक कुछ नहीं है... ऐसे में कोई व्यक्ति वहां 15 दिन कैसे रह सकता है? जब तक कोई व्यक्ति कुछ प्रशिक्षण नहीं लेता, तब तक वहां जाने का कोई औचित्य नहीं है।'' मुख्यमंत्री ने दावा किया कि जिस तरह गोगोई नमाज अदा करते हैं, कोई भी मुसलमान इतनी कुशलता से नमाज अदा नहीं कर सकता। पलटवार करते हुए गोगोई ने कहा कि शर्मा उनके परिवार का नाम घसीटकर राजनीति करने में व्यस्त हैं, जबकि वह (गोगोई) लोगों के कल्याण के लिए काम कर रहे हैं। गोगोई ने इस बात पर भी आश्चर्य जताया कि उनके और उनकी पत्नी के कथित पाकिस्तानी संबंधों की जांच के लिए गठित एसआईटी की जांच का क्या हुआ। उन्होंने मुख्यमंत्री को चुनौती दी कि वह जांच के निष्कर्ष सार्वजनिक करें।

सरकार ने पहलगाम आतंकी हमले का अभी भी बदला नहीं लिया : राउत

मुंबई, एजेंसी। शिवसेना (उबाठा) नेता संजय राउत ने रविवार को कहा कि केंद्र सरकार ने पहलगाम आतंकवादी हमले के 12 दिन बाद भी उसका बदला नहीं लिया है। राउत ने पाकिस्तानी यूट्यूब चैनल पर प्रतिबंध लगाने समेत अब तक की उसकी प्रतिक्रिया का मखौल उड़ाया। राउत ने व्यंग्यात्मक लहजे में कहा कि सरकार अपने राजनीतिक विरोधियों से बदला लेने के लिए उनकी पार्टियों को तोड़ती रही है, उन्हें जेल में डालती रही है, उनका जीवन बर्बाद करती रही है और उनके परिवारों को परेशान करती रही है। राज्यसभा सदस्य ने सवाल किया, ''(पहलगाम आतंकी हमले में) निर्दोष लोगों की हत्या हुए 12 दिन बीत चुके हैं। और हम जो खबर देख रहे हैं, वह यह है कि सरकार (पाकिस्तान पर) शिकंजा कस रही है। उसने पाकिस्तान उच्चायोग में कर्मचारियों की संख्या कम कर दी है और (पाकिस्तानी उड़ानों के लिए) हवाई क्षेत्र बंद कर दिया है। क्या इसे बदला कहा जाएगा?'' उन्होंने कहा कि बदला लेने के लिए सरकार ने पाकिस्तानी यूट्यूब चैनल पर प्रतिबंध लगा दिया है। राउत ने सवाल किया, ''क्या यह बदला है? इंदिरा गांधी का इतिहास देखें? सरकार ने कोई बदला नहीं लिया है।'' पिछले हफ्ते राउत ने कहा था कि इंदिरा गांधी ने 1971 के युद्ध में पाकिस्तान को दो टुकड़ों (पाकिस्तान और बांग्लादेश) में विभाजित कर दिया था। पहलगाम में 22 अप्रैल को आतंकवादी हमले में 26 लोगों के मारे जाने के बाद भारत ने पाकिस्तान के साथ राजनयिक संबंधों को कमतर कर दिया था और पाकिस्तानी सैन्य अताशे को निष्कासित करने, सिंधु जल संधि को निलंबित करने और अटारी भूमि पारगमन चौकी को तत्काल बंद करने सहित कई कदमों की घोषणा की थी। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने छह पाकिस्तानी यूट्यूब समाचार चैनल को प्रतिबंधित करने के निर्देश जारी किए थे।

सीमा हैदर का गला दबा दिया गया था, थप्पड़ भी पड़े? सामने आ गया सच

ग्रेटर नोएडा, एजेंसी। पहलगाम हमले के बाद से एक बार फिर चर्चा में आई पाकिस्तानी महिला सीमा हैदर के घर में घुसकर हमले की कोशिश के आरोप में एक शख्स को गिरफ्तार किया गया है। कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में यह भी दावा किया गया है कि सीमा हैदर को आरोपी ने कई थप्पड़ मारे और गला भी दबा दिया था। हमले को जानलेवा बताया गया है। हालांकि, नोएडा पुलिस का कहना है कि गुजरात से आया शख्स इससे पहले की सीमा हैदर पर हमला कर पाता, उसे दबोच लिया गया।

कथित तौर पर पबजी गेम खेलते हुए ग्रेटर नोएडा के रबूपुरा निवासी सचिन मीणा से प्यार होने के बाद सीमा हैदर मई 2023 में नेपाल के रास्ते भारत आ गई थी। उसका कहना है कि वह अपना धर्म बदल चुकी है और सचिण मीणा से शादी कर चुकी है। पाकिस्तान से चार बच्चों को लेकर आई सीमा हैदर ने हाल ही में सचिन के बच्चे को भी जन्म दिया है। पहलगाम हमले के बाद से वह चर्चा में है। उसे पाकिस्तान वापस भेजे जाने की मांग सोशल मीडिया पर जोरशोर से चल रही है।

इस बीच शनिवार शाम सचिन के घर में एक युवक घुस गया,जिस गिरफ्तार करके पुलिस ने जेल भेज दिया है। पुलिस ने

आरोपी की पहचान तेजस जानी के रूप में की है। वह गुजरात के सुरेंद्रनगर जिले का रहने वाला है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि इससे पहले कि वह सीमा हैदर पर हमला कर पाता, उसे दबोच लिया गया। गिरफ्तार करके उसे जेल भेज दिया गया है।

रबूपुरा थाने के एसएचओ सुजीत उपाध्याय ने कहा, शाम करीब 7 बजे जानी ग्रेटर नोएडा के रबूपुरा पहुंचा और सीमा हैदर के घर में घुस गया। उस वक्त सीमा हैदर छत पर थी। सचिन और परिवार के अन्य सदस्य भी घर में ही थे। अनजान शख्स के घर में घुसते ही परिवार के सदस्यों ने उसे पकड़ लिया। शोर सुनकर आसपास के लोग भी दौड़ पड़े। सभी ने मिलकर उसे दबोच लिया और पुलिस को सूचना दी गई। मौके पर पहुंचते ही पुलिस ने आरोपी को हिरासत में ले लिया।

सीमा हैदर के मुंहबोले भाई और उसका केस लड़ रहे सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ वकील एपी सिंह ने कहा कि हमले में सीमा हैदर बाल-बाल बच गई। एक दिन पहले ही उसकी बेटी अस्पताल से डिस्चार्ज हुई थी। सीमा हैदर और बाकी सभी लोग घर में थे। तभी हमलावर घर में घुसा। लेकिन सचिन के अलावा उसके चाचा और परिवार के अन्य कई सदस्य घर में थे। उन्होंने आरोपी को पकड़ लिया। धक्का-मुक्की, शोर-शराबा हुआ। पड़ोसी भी आ गए। सिंह ने इस बात की पुष्टि की कि सीमा तक आरोपी नहीं पहुंच सका और उसे किसी तरह की चोट नहीं आई है। पुलिस ने पाकिस्तानी महिला सीमा हैदर के घर में घुसने के आरोप में हिरासत में लिए युवक के खिलाफ केस दर्ज किया। पुलिस ने रविवार को उसको कोर्ट में पेश कर जेल भेज दिया। तेजस जानी ने पूछताछ में बताया कि वह ट्रेन में सफर करते हुए दिल्ली पहुंचा था। इसके बाद रबूपुरा पहुंचा। पुलिस ने आरोपी का सत्यापन कराया तो पता लगा कि उसका कोई आपराधिक इतिहास नहीं है। उसकी मां की मृत्यु हो चुकी है। पिता मानसिक रूप से कमजोर है। पहले दिन पूछताछ में उसने दावा किया था कि सीमा हैदर ने उस पर काला जादू कर दिया है। अब उसने खुद को सचिन और सीमा का फैन बताया है। अब उसका कहना है कि वह सीमा और सचिन से मिलने के लिए आया था।

सूटकेस में फेंकी लाश, महिला के बारे में बताने वाले को मिलेंगे 20 हजार

गुरुग्राम, एजेंसी। गुरुग्राम-फरीदाबाद रोड पर स्थित शिव नादर स्कूल के पास सड़क पर एक ट्रॉली बैग में महिला का लाश मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। महिला के सिर पर गहरी चोट के निशान हैं और चेहरे पर खून लगा है। उसने काले रंग की जींस और हरे रंग का टॉप पहना हुआ था। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। अभी तक महिला की शिनाख्त नहीं हो पाई है। पुलिस आसपास के सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है। महिला की उम्र 30-35 साल है। कपड़ों से वह किसी अच्छे घर की लग रही है। सुशांत लोक थाना के जांच अधिकारी कर्मबीर ने बताया कि पुलिस को सूचना मिली थी कि सड़क के किनारे एक ट्रॉली बैग पड़ा है, जिससे बदबू आ रही है। एक राहगीर अशोक कुमार ने पुलिस को सूचना दी थी। अशोक ने बताया कि जब वह रास्ते से गुजर रहा था तो उसे रोड के किनारे पड़े ट्रॉली बैग से बदबू आई थी। इसके बाद जब उसने बैग को टटोला तो उसमें किसी इंसान के होने की आशंका हुई। उसने बैग को खोलकर देखा तो उसमें महिला की लाश थी। इसके बाद उसने पुलिस को सूचना दी। पुलिस मौके पर और बैग को खोलकर देखा तो उसमें एक महिला की लाश थी। उसका सिर कुचलकर हत्या और ट्रॉली बैग में अच्छे से पैक कर रखा गया था। पुलिस ने बताया कि महिला के दाएं हाथ में नाम भी गुदा था जिसे हत्यारों ने मिटाने का प्रयास किया है। महिला के शरीर पर दो और टैटू थे। पुलिस ने कहा कि प्रारंभिक जांच में लगता है कि हत्या कहीं और की गई होगी और उसके बाद शव को ठिकाने लगाने के लिए बैग में रख कर यहां फेंका गया। हत्या हाल के दिनों में ही हुई है। गुरुग्राम पुलिस ने मृतका की पहचान बताने वाले व्यक्ति को 25 हजार रुपए का इनाम देने की घोषणा की है। साथ ही गुमशुदा लोगों के केस भी खंगाले जा रहे हैं। अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ सुशांत लोक थाने में केस दर्ज की किया है।

दिल्ली टू राजस्थान तक चलेगी नमो भारत ट्रेन, डीपीआर हुई तैयार

गुरुग्राम, एजेंसी। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र परिवहन निगम (एनसीआरटीसी) ने दिल्ली के सराय काले खां से गुरुग्राम होते हुए राजस्थान के नीमराना तक नमो भारत ट्रेन चलाने की तैयारी तेज कर दी है। इस रूट की नई डीपीआर भी तैयार कर ली गई है। इसके निर्माण पर करीब 35743 करोड़ रुपये का खर्चा आएगा। डीपीआर को मंजूरी के लिए हरियाणा सरकार को भेजा गया है। एनसीआरटीसी की पुरानी डीपीआर के तहत दिल्ली के सराय रोहिल्ला से नमो भारत ट्रेन शुरू होनी थी, जो गुरुग्राम में कापसहेड़ा बॉर्डर से प्रवेश करनी थी। दिल्ली-जयपुर हाईवे पर सिग्नेचर टावर के समीप जाकर मिलनी थी। इसके बाद जयपुर हाईवे से राजस्थान के नीमराना तक जानी थी। एनसीआरटीसी की तरफ से करवाए गए सर्वे के मुताबिक, साल 2031 में नमो भारत ट्रेन को शुरू किया जाता है तो शुरुआत में यात्रियों की संख्या करीब साढ़े 11 लाख होगी। यही नहीं, अगले 20 साल में संख्या करीब 20 लाख तक पहुंचने का अनुमान है।गुरुग्राम में नमो भारत ट्रेन के 17 स्टेशन में से 8 स्टेशन अंडरग्राउंड होंगे। इनमें गुरुग्राम के पांच स्टेशन शामिल हैं। साइबर सिटी, राजीव चौक, हीरो होंडा चौक, खेड़की दौला, मानेसर में अंडरग्राउंड स्टेशन का निर्माण होगा। दिल्ली में तीन स्टेशन अंडरग्राउंड होंगे, जिनमें आईएनए, मुनिरका, एरो सिटी शामिल हैं। बाकी स्टेशन एलिवेटेड रहेंगे। योजना के तहत एलिवेटेड स्टेशन का निर्माण करीब 140 मीटर में किया जाएगा, जबकि भूमिगत स्टेशन करीब 190 मीटर में तैयार किए जाएंगे। वहीं, नमो भारत ट्रेन की लंबाई करीब 105 किलोमीटर होगी।केंद्र सरकार ने पुराने रूट में बदलाव किया है। अब नए रूट के तहत नमो भारत ट्रेन दिल्ली के सराय रोहिल्ला से शुरू होकर यह दिल्ली के आईएनए, मुनिरका और एरो सिटी से होते हुए दिल्ली-जयपुर हाईवे पर साइबर सिटी, इफको चौक, राजीव चौक, हीरो होंडा चौक, खेड़की दौला, मानेसर, पचगांव, बिलासपुर चौक होते हुए रेवाड़ी के धारूहेड़ा, बावल, रेवाड़ी से निकलकर राजस्थान में नीमराना के पास तक जानी है।

टॉयलेट सीट में तेज धमाके संग लगी आग, 1 युवक बुरी तरह घायल; ग्रेटर नोएडा में डराने वाली घटना

ग्रेटर नोएडा, एजेंसी। ग्रेटर नोएडा सेक्टर-36 स्थित मकान में टॉयलेट सीट फटने का मामला सामने आया है। इससे घटना के समय टॉयलेट के अंदर मौजूद एक युवक बुरी तरह घायल हो गया। पीड़ित छात्र को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। आग की लपटों में झुलसकर छात्र के चेहरे और हाथों की स्किन तक उतर गई है। इस घटना के पीछे मीथेन गैस के कारण विस्फोट होने की आशंका जताई गई है। जानकारी के मुताबिक, ग्रेटर नोएडा के सेक्टर-36 के मकान नंबर सी-364 में सुनील प्रधान अपने परिवार के साथ रहते हैं। उन्होंने बताया कि उनका 20 वर्षीय बेटा आशू नागर शनिवार दोपहर टॉयलेट गया था। आशू स्कूल में पढ़ता है। शौच के बाद जैसे ही उसने वेस्टर्न टॉयलेट सीट का फ्लश बटन दबाया, तभी सीट फट गई और आग की लपटें उठने लगीं। विस्फोट होने से आशू का चेहरा, हाथ, पैरा और दूसरे अंग बुरी तरह से झुलस गए। आनन-फानन में उसे जिम्स अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसका इलाज चल रहा है।

डॉक्टरों के मुताबिक, घायल छात्र को ठीक होने में काफी समय लगेगा। आग की लपटों में झुलसकर छात्र के चेहरे और हाथों की स्किन तक उतर गई है।

आईटीएस कॉलेज के सिविल इंजीनियरिंग विभाग के प्रो. समीर कुमार सिंह का कहना कि सीवर में मीथेन की निकासी न होने पर गैस कहीं न कहीं से निकलने का प्रयास करती है। ऐसा हो सकता है कि टॉयलेट सीट से मीथेन का रिसाव हुआ हो और बिजली के स्विच या उपकरण से गैस ने आग पकड़ ली हो। सेक्टर के एक्टिव सिटीजन टीम से हरेंद्र भाटी ने बताया कि ग्रेटर नोएडा का सीवर सिस्टम पूरी तरह से जाम है। पहले वेंट पाइप लगाया जाता था ताकि सीवर से निकलने वाली मीथेन गैस वायुमंडल में चली जाए। अब इस प्रकार के पाइप नहीं लगाए जा रहे, जिससे गैस अंदर ही फैलती रहती है। करीब डेढ़ साल से पी-3 गोलचक्कर के पास सीवर लाइन टूटी हुई है, जिसको सही करने के लिए कई बार ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के अधिकारियों से शिकायत की जा चुकी है, लेकिन अब तक यह लाइन ठीक नहीं हुई। छात्र के पिता सुनील प्रधान ने बताया कि उनके घर से सीवर लाइन सटी है, जो लंबे समय से जाम है। आशंका है कि सीवर लाइन जाम होने के कारण मीथेन गैस बनी हो। छात्र ने जैसे ही फ्लश बटन दबाया तो विस्फोट के साथ सीट फट गई। उन्होंने बताया कि बाथरूम और रसोई के बीच शाफ्ट में विंडो एसी का एक्जॉस्ट लगा है। इसके पीछे ग्रीन बेल्ट है। सेक्टर-5 में गेंद सीवर टैंक में गिर गई। उसे निकालने के लिए चार युवक सीवर में उतरे, लेकिन जहरीली गैस के कारण दो युवकों की मौत हो गई।

पानी छोड़ने को तैयार नहीं पंजाब, हरियाणा के 8 जिलों में गंभीर पेयजल संकट

चंडीगढ़, एजेंसी। पंजाब द्वारा भाखड़ा बांध से अतिरिक्त पानी छोड़ने से इनकार करने के कारण हरियाणा के आठ जिले गंभीर पेयजल संकट का सामना कर रहे हैं। प्रभावित जिलों में सिरसा, फतेहाबाद, हिसार, कैथल, कुरुक्षेत्र, जींद, भिवानी और चरखी दादरी शामिल हैं। हरियाणा के जनस्वास्थ्य अभियंत्रिकी विभाग (पीएचई) की एक आंतरिक रिपोर्ट के अनुसार, इन जिलों को महज 15 प्रतिशत जल आपूर्ति मिल पा रही है।

पानी के टैंकरों से पेयजल आपूर्ति- इसके मुताबिक, इन आठ जिलों को पेयजल के लिए 4,931.90 करोड़ लीटर पानी की आवश्यकता है, जबकि वर्तमान में केवल 764.80 करोड़ लीटर पानी उपलब्ध है, जो कुल मांग का सिर्फ 15.5 प्रतिशत है। इस कमी के कारण 36 गांवों में आपातकालीन सेवाओं के माध्यम से पानी के टैंकरों से पेयजल आपूर्ति की जा रही है। विभाग ने सभी इकाइयों को निर्देश दिए हैं कि वे जल कार्यों में पर्याप्त पानी का भंडारण सुनिश्चित करें। यह मुद्दा शनिवार को मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की अध्यक्षता में हुई सर्वदलीय बैठक में भी प्रमुखता से उठाया गया।

टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के मुताबिक,

मुख्यमंत्री के साथ शेयर की गई क्लाश विभाग की रिपोर्ट में बताया गया है कि राज्यभर के 614 जलाशयों में से 156 जलाशय पूरी तरह से सूख चुके हैं। परिणामस्वरूप, इन क्षेत्रों के 36 गांवों में आपात सेवाओं के तहत पानी के टैंकरों से आपूर्ति की जा रही है। चूंकि पंजाब की ओर से निकट भविष्य में जल छोड़ने की कोई संभावना नहीं है, ऐसे में विभाग ने राज्यभर में अपने सभी अधिकारियों को जलाशयों में अधिकतम जल भंडारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

संकट केवल 20 मई तक?- पीएचई विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, हम अब बारिश की उम्मीद में हैंज संकट केवल 20 मई तक का है। इसीलिए हमने आठ दिनों के लिए अतिरिक्त जल आपूर्ति की मांग की थी, जिसे बीबीएमबी और गृह मंत्रालय के निर्देशों के तहत स्वीकार कर लिया गया। चुनौती बड़ी है, लेकिन हम सीमित संसाधनों के साथ पूरी कोशिश कर रहे हैं।

अधिकारी ने यह भी कहा कि सभी जिलों को दिशा-निर्देश दिए गए हैं कि पेयजल प्राथमिकता पर है और कृषि कार्यों के लिए पानी का इस्तेमाल सतर्कता से किया जाए। इन जिलों की सिंचाई की मुख्य व्यवस्था नहरों पर निर्भर है। बुवाई का मौसम भी आने वाला है। इसलिए निर्देश दिए गए हैं कि किसान घबराहट में सिंचाई शुरू न करें।

नहीं मान रही भगवंत मान सरकार- गौरतलब है कि बीते एक सप्ताह से पंजाब और हरियाणा सरकारों के बीच भाखड़ा डैम से अतिरिक्त पानी की आपूर्ति को लेकर विवाद चल रहा है। पंजाब ने पहले ही हरियाणा को छोड़े जाने वाले पानी की मात्रा को 8,500 क्यूसेक से घटाकर 4,000 क्यूसेक कर दिया था। गृह मंत्रालय की सलाह के बावजूद पंजाब सरकार ने भाखड़ा ब्यास प्रबंधन बोर्ड की बैठक में भाग नहीं लिया।

मौलाना मोहम्मद अली जौहर हायर एजुकेशन इंस्टीट्यूट किरतपुर का एमए उर्दू के पहले सेमेस्टर का परिणाम घोषित

✷ एनसीआर टुडे. नजीबाबाद ✷

मौलाना मौहम्मद अली जौहर हायर एजुकेशन इंस्टीट्यूट, किरतपुर (बिजनौर) का एम0ए0 (उर्दू) प्रथम सेमेस्टर 2025 का परीक्षा परिणाम घोषित हुआ। जिसमें मिस्बाह ज़ेहरा ने 74.17 प्रतिशत अंक के साथ प्रथम स्थान, शाज़िया ने 71.67 प्रतिशत अंक के साथ द्वितीय स्थान और सबा सुमैया ने 71 प्रतिशत अंक के साथ तृतीय स्थान प्राप्त किया।

इस अवसर पर कॉलेज के प्रबन्धक मौहम्मद साईम राजा साहब ने सभी सफल विद्यार्थियों को मुबारकबाद देते हुए कहा कि वे आगे भी ऐसे ही सफलता प्राप्त कर देश व समाज की सेवा करें, और कॉलेज के प्राचार्य डॉ0 मोहित बंसल जी ने विद्यार्थियों के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए आदर्श नागरिक बनकर देश एवं समाज सेवा करने का आह्वान किया। उर्दू विभाग की प्रवक्ता उज़मा परवीन ने सभी सफल छात्र-छात्राओं को भविष्य में आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया।

नगीना के विद्वानों ने मौलाना गुलाम वस्तानवी के निधन पर दुख व्यक्त किया

✷ एनसीआर टुडे. नगीना ✷

दारुल उलूम देवबंद के पूर्व प्रिंसिपल मौलाना गुलाम वश्तानवी के निधन पर उलेमा-ए-नेगीना ने दुख जताया। मुफ्ती ओवैस अकरम कासमी ने अपने प्रेस नोट में मौलाना गुलाम वश्तानवी के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए कहा कि मौलाना गुलाम वश्तानवी हमेशा देश और कौम की तरक्की के लिए चिंतित रहते थे। मरहूम नेक इंसान थे, उनकी बहुत ही ज्यादा दीनी ख़िदमात है, जिसको हमेशा याद रखा जाएगा।

'वक्फ बोर्ड जमीन के कागज नहीं दिखा सकता'; अनुराग ठाकुर ने संजौली मस्जिद को बताया अवैध

धर्मशाला, एजेंसी। भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर ने हिमाचल प्रदेश में शिमला नगर निगम कोर्ट द्वारा संजौली मस्जिद की शेष दो मंजिलों को गिराने के आदेश के बाद इस ढांचे को अवैध बताया है। अनुराग ठाकुर सोमवार को दावा किया कि मस्जिद का निर्माण अवैध था और वक्फ बोर्ड भी जमीन के स्वामित्व को साबित करने वाले कागज नहीं दिखा सकता। उन्होंने कहा कि देशभर में ऐसी और भी हजारों संपत्तियां हैं, जहां वक्फ बोर्ड ने उचित दस्तावेजों के बिना कब्जा कर लिया है।

उन्होंने कहा, वक्फ बोर्ड की मानसिकता ऐसी है कि वे कभी भी कागज नहीं दिखाएंगे। शिमला के संजौली में जिस तरह से मस्जिद का निर्माण किया गया, वह अवैध था। जमीन के कोई कागज नहीं थे। कई महीनों बाद भी कागज पेश नहीं किए जा सके तो आदेश दे दिया गया कि सभी मंजिलें गिरा दी जाएंगी। भाजपा सांसद ने दावा किया कि देश में ऐसे कई और भी मामले हैं जहां वक्फ ने बिना दस्तावेजों के जमीन पर कब्जा कर लिया है।

संजौली मस्जिद विवाद में एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम में शिमला की एक अदालत ने शनिवार को मस्जिद की शेष दो निचली मंजिलों को गिराने का आदेश दिया है। यह फैसला नगर निगम कमिश्नर की अदालत में सुनवाई के बाद आया है, जहां वक्फ बोर्ड द्वारा आवश्यक दस्तावेज पेश न किए जाने के कारण अदालत ने यह फैसला सुनाया। वक्फ बोर्ड को शनिवार को अदालत के सामने मस्जिद की जमीन के स्वामित्व के दस्तावेज और आर्किटेक्चरल प्लान पेश करना था। हालांकि, वक्फ बोर्ड के वकील वैध दस्तावेज पेश करने या बचाव में कोई ठोस तर्क देने में नाकाम रहे। वकील ने दावा किया कि इस जमीन पर 1947 से पहले मस्जिद मौजूद थी।

कुलगाम में युवक का शव मिला, महबूबा ने जांच की मांग की

जम्मू , एजेंसी। जम्मू-कश्मीर के कुलगाम जिले के एक गांव में रविवार को एक युवक का शव बरामद किया गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। आरोप है कि इस युवक को पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद पूछताछ के लिए सुरक्षाबलों ने हिरासत में लिया था। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने कहा कि इम्तियाज अहमद माग्रे की मौत की परिस्थितियों को लेकर गंभीर आरोप लग रहे हैं, जिसका शव रविवार सुबह कुलगाम जिले के अहरबल इलाके में अदबल नाले से बरामद किया गया था।

अधिकारियों ने बताया कि पुलिस ने घटना का संज्ञान लिया है और मौत के वास्तविक कारण का पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी है। माग्रे का शव बरामद

होने के कुछ घंटों बाद सामने आए ड्रोन फुटेज में एक युवक को अदबल नाले में कूदते और बहते हुए देखा गया। पुलिस ने दावा किया कि माग्रे ने आतंकवादियों का सहयोग करने की बात कबूल की थी और वह सुरक्षाबलों को जंगल क्षेत्र में एक ठिकाने पर ले रहा था तथा इस दौरान उसने भागने की कोशिश की थी।

इस बीच, जम्मू-कश्मीर सरकार में मंत्री सकीना इट्टू ने माग्रे की मौत से जुड़े मामले की न्यायिक जांच की मांग करते हुए दावा किया कि पुलिस रिकॉर्ड में मृतक के खिलाफ कुछ भी नहीं है। इट्टू ने कहा, ''माग्रे की मौत की न्यायिक जांच होनी चाहिए, ताकि सच्चाई सामने आ सके। पहलगाम हमला बहुत दुखद और दुर्भाग्यपूर्ण था। हम सभी इससे दुखी हैं। हालांकि, डर का माहौल बना हुआ है। मैं उपराज्यपाल मनोज सिन्हा से अनुरोध करती हूं कि गृह विभाग को निर्देश दिए जाएं कि निर्दोष लोगों को परेशान न किया जाए और उन्हें नुकसान न पहुंचाया जाए।''

वहीं, महबूबा ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, ''कुलगाम में नाले से एक और शव बरामद हुआ है, जिसे लेकर गंभीर आरोप लगे हैं। स्थानीय निवासियों का आरोप है कि सुरक्षाबलों ने इम्तियाज माग्रे को दो दिन पहले ही पूछताछ के लिए हिरासत में लिया था और अब उसका शव रहस्यमय तरीके से नाले में मिला है।'' पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि पहलगाम में आतंकवादी हमला कश्मीर में शांति को पटरी से उतारने, पर्यटन को बाधित करने और देशभर में सांप्रदायिक सद्भाव को बिगाड़ने का सुनियोजित प्रयास था।

नेशनल कॉन्फ्रेंस (नेकां) के लोकसभा सदस्य आगा रूहुल्लाह मेहदी ने एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि वह माग्रे के शव की बरामदगी से बहुत चिंतित हैं। मेहदी ने कहा, ''विश्वसनीय रिपोर्टों के अनुसार, माग्रे को कुछ दिन पहले सुरक्षाबलों ने पकड़ लिया था और आज उसे मृत अवस्था में उसके परिवार को सौंप दिया गया।

पुरानी रंजिश में युवक को पीटा, छह पर केस दर्ज

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷। मोदीनगर में पुरानी रंजिश में निवाड़ी रोड पर एक युवक की बेरहमी से पिटाई का मामला सामने आया है। इस संबंध में पुलिस ने 6 लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। नगर की न्यू डिफेंस कॉलोनी निवासी हर्षवर्धन त्यागी ने बताया कि रविवार रात को करीब दस बजे के आसपास वह अपने घर की तरफ पैदल ही जा रहे थे। जब वह बीच राश्ते पर पहुंचे तो छह लोगों ने उनका राश्ता रोक लिया और मारपीट करनी शुरू कर दी। आरोप है कि एक युवक ने पत्थर उठाकर सिर कुचलने का भी प्रयास किया। धमकी दी गई कि यदि पुलिस में शिकायत की तो गोली मारकर हत्या कर देंगे। तहरीर के आधार पर पुलिस ने ज्ञान गुर्जर और पांच अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है।

ईंट दिलाने के नाम पर 3.5 लाख हड़पे वापस मांगने पर मिली धमकी

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷। मुरादनगर के गांव मनोटा निवासी ठेकेदार से एक लाख ईंट देने के नाम पर 3.5 लाख रुपये ठगने का मामला सामने आया है। पुलिस ने सोमवार को रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। गांव मनोटा निवासी मनीषा ने बताया कि वह बालाजी कांट्रैक्टर की प्रोपराइटर है। उक्त फर्म नाली व सड़क निर्माण करती है और उसके पति भानू प्रताप सिंह व बेटा अक्षय काम को देखते हैं। उन्होंने बताया कि निर्माण कार्य के लिए एक लाख ईंटों की जरूरत थी। मुरादनगर की अरुण एंड कम्पनी से एक लाख ईंटों का साढ़े पांच लाख रुपये में सौदा हो गया। 17 जनवरी को साढ़े तीन लाख रुपये दे दिए गए और बाकी रकम ईंट डिलीवरी के बाद देने की तय हुई, लेकिन अब तक ईंट नहीं पहुंचाई गई। अब आरोपी ने ईंट देने से इंकार कर दिया और वापस पैसे भी नहीं दे रहा है। इस संबंध में मुरादनगर थाने में तहरीर दी गई है। जेपीए ने बताया कि तहरीर के आधार पर अरुण कुमार निवासी अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

मकान बेचने के नाम पर पौने आठ लाख रुपये ठगे

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷। मोदीनगर के गांव भोजपुर में 74 गंज का मकान बेचने के नाम पर एक व्यक्ति से 7.75 लाख रुपये ठगने का मामला सामने आया है। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। भोजपुर के मुबारिक ने बताया कि उसके गांव के ही मौमीन ने अपना 74 गंज का मकान बेचने की बात कहीं। दोनों के बीच आठ लाख रुपए में सौंदा हो गया। मुबारिक ने बताया कि 7.75 लाख रुपये चेक और नकद के रूप में दे दिए और बाकी 25 हजार रुपये बैनामा के समय देने की बात तय हुई। आरोप है कि अब आरोपी बैनामा करने से इंकार कर रहा है। रुपये वापस मांगने पर झूठे मुकदमे में फंसाने की धमकी दे रहा है। पीड़ित ने डीसीपी ग्रामीण से शिकायत की है। डीसीपी ग्रामीण ने एंटी फ्रांड सेल से जांच कराकर भोजपुर पुलिस को रिपोर्ट दर्ज करने के आदेश दिए।

फैक्टरी की चौथी मंजिल पर कमरे में अचेत मिला कर्मचारी

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷। लोनी के थाना ट्रोनिका सिटी औद्योगिक क्षेत्र स्थित साउंड स्पीकर बनाने वाली फैक्टरी में काम करने वाला कर्मचारी सोमवार सुबह कमरे में अचेत मिला। पुलिस कर्मचारी को अस्पताल लेकर पहुंची, जहां चिकित्सक ने मृत घोषित कर दिया। जनपद मुरादाबाद के सरकड़ा गांव निवासी तीस वर्षीय शीशपाल सैनी ट्रोनिका सिटी औद्योगिक क्षेत्र स्थित बी प्लस डी जे साउंड स्पीकर बनाने वाली फैक्टरी में नौकरी करते थे। फैक्टरी में काम करने वाले कर्मचारी अनुज पाठक ने बताया कि शीशपाल फैक्टरी की चौथी मंजिल पर बने कमरे में रहता था। सोमवार को काम के लिए नीचे न आने पर वह कमरे में पहुंचे तो साथी को अचेत अवस्था में पड़ा देखा। उन्होंने मामले की जानकारी अन्य साथियों व पुलिस को दी। एसीपी लोनी सिद्धार्थ गौतम ने बताया कि कमरे में मृतक के मुंह के पास खून के निशान थे। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सही कारणों का पता चल सकेगा।

किशोरी का अपहरण,अनहोनी की आशंका

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷। मोदीनगर के भोजपुर थानाक्षेत्र के एक गांव से 13 वर्षीय किशोरी का अपहरण का मामला सामने आया है। पुलिस ने सोमवार को रिपोर्ट दर्ज कर किशोरी की तलाश शुरू कर दी है। एक गांव निवासी व्यक्ति ने बताया कि उसकी 15 साल की भतीजी शनिवार को संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गई। जब किशोरी के मोबाइल पर फोन किया जाता है तो एक युवक ने उसे दो तीन दिन में छोड़ने की बात कही। परिजनों ने अपहरण कर अनहोनी की आशंका जताते हुए तहरीर दी है। एसीपी ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज कर किशोरी की तलाश के लिए कई टीमों को लगाया गया है।

एमएमजी अस्पताल में एनक्वास की टीम सर्वे के लिए पहुंची

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷। स्वास्थ्य सेवाओं को राष्ट्रीय शतर की कसौटी पर परखने के लिए सोमवार को एनक्वास की तीन सदस्यीय टीम एमएमजी अस्पताल पहुंच गई। टीम ने पहले दिन अस्पताल का निरीक्षण किया और इमरजेंसी के साथ वार्ड का सर्वे किया। नेशनल क्वालिटी एश्योरेंस स्टैंडर्ड (एनक्वास) की टीम हरियाणा से डा. दिनेश गुर्जर, गुरुग्राम से सुनीता दुहान और दिल्ली से डा. रश्मि सोमवार को एमएमजी अस्पताल पहुंची। तीनों सदस्यों ने सबसे पहले अस्पताल का भौतिक निरीक्षण किया। इसके बाद इमरजेंसी से लेकर वार्ड में भर्ती मरीजों की जानकारी हासिल की। दोनों स्थानों पर साफ-सफाई, मौजूद स्टाफ की कार्यशैली आदि का बारीकी से सर्वे किया। अस्पताल के सीएमएस डा. राकेश कुमार ने बताया कि एनक्वास टीम तीन दिन में 11 विभागों की व्यवस्था की बारीकी से जांच करेगी। इसके अलावा आपात स्थिति से निपटने और रिकॉर्ड प्रबंधन की समीक्षा करेगी। अस्पताल में साफ-सफाई, स्टाफ की ट्रेनिंग, मरीजों की फीडबैक, दवाओं की उपलब्धता और रिकॉर्ड में पारदर्शिता जैसे बिंदुओं पर विश्लेषण करके केंद्र को अपनी रिपोर्ट भेजेगी।

बुजुर्ग पति-पत्नी की जिंदा जलकर दर्दनाक मौत

✷ एनसीआर टुडे. बढ़ापुर ✷

क्षेत्र में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। कमरे में सोते वक्त बुजुर्ग पति-पत्नी की जिंदा जलकर दर्दनाक मौत हो गई है। दोनों बुजुर्ग पति पत्नी पैरालिसिस से पीड़ित बताए जा रहे हैं जिस कारण दोनों की जलकर मौत हो गई।

कमरे से आवाज बाहर नहीं निकल सकी। रात के समय बीड़ी पीने के दौरान माचिस से निकली चिंगारी से बिश्तर में आग लगने से दंपति की जलकर मौत होना माना जा रहा है। फिलहाल सूचना पर पहुंची पुलिस मामले की जांच पड़ताल में जुट गई है। मामला नगीना तहसील के बढ़ापुर थाना क्षेत्र के गांव कुजेटा का है। जहां के निवासी महावीर सिंह 80 वर्ष अपनी पत्नी ओमी देवी 75 वर्ष के साथ कमरे में रहते थे।

बुजुर्ग दंपत्ति पैरालिसिस की बीमारी से पीड़ित थे रात में किसी समय महावीर सिंह द्वारा बीड़ी पीने के दौरान माचिस से निकली चिंगारी से बिश्तर में आग लगने से दंपति की जलकर मौत होने की आशंका जताई जा रही है पैरालिसिस की बीमारी के चलते दंपति की आवाज कमरे में ही बंद रह गई। घटना की जानकारी सुबह होने होने पर लगी।

जब पड़ोस के लोगों ने मकान से दुआ उठा देखा तो परिवार के सदस्यों को इसकी जानकारी दी। परिजन तुरंत मौके पर पहुंचे लेकिन तब तक दोनों की जलकर मौत हो चुकी थी। पटना से परिवार में कोहराम मच गया। परिवार के लोगों के अनुसार दोनों बुजुर्ग ऊपर वाले कमरे में सोते थे। आग लगने का कारण माचिस की चिंगारी माना जा रहा है। फिलहाल सूचना पर थाना प्रभारी और सीओ अंजनी कुमार मौके पर पहुंचे और दोनों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल बिजनौर भिजवा दिया है और मामले की जांच पड़ताल में पुलिस जुट गई है।

376 मतों से विजय हुई आयशा परवीन, मरहूम कदीर मंसूरी को जनता ने वोट देकर दी श्रद्धांजलि

✷ एनसीआर टुडे. स्योहारा ✷

वार्ड 02 से कई बार सभासद रहे हाजी कदीर मंसूरी के अचानक हुए निधन के बाद इस सीट पर हुए उप चुनाव में यहां की जनता ने एक बार फिर कदीर मंसूरी पर ही विश्वास जताते हुए उनकी पत्नी आयशा परवीन को भारी मतों से जिताया।

02 अप्रैल को हुई वोटिंग के बाद आज इसके नतीजों ने विपक्षियों की धूल उड़ा दी,वोटिंग के दौरान 693 वोट पड़े थे जिसके बाद आयशा परवीन को 522 वोट मिले जबकि उनके विपक्षी अमर दीप को मात्र 146 वोटो से संतोष करना पड़ा।

आयशा परवीन की जीत के बाद वार्ड भर में भारी खुशी का माहौल देखा गया और छोटी देवी,मुमताज जहां, बेबी, रानी, शाहीन निशा, फातमा, आदि ने आयशा का फूल मालाओं से उनका स्वागत किया गया।

इस मौके पर आयशा परवीन,नदीम मंसूरी,आसिफ मंसूरी और पूरे परिवार ने जनता का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि जो प्यार और सम्मान उन्हें मिला उसके बदले वो मरहूम कदीर मंसूरी की तरह आवाम के सुख दुख में साथ रहेंगे।

विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस पर पत्रकारों ने पहलगाम हमले की घोर निंदा

✷ एनसीआर टुडे. नगीना ✷

विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस पर पत्रकारों ने पहलगाम में 28 निर्दोष पर्यटकों की निर्ममता पूर्वक हत्या की निंदा की और उनकी आत्मा को शांति के लिए प्रार्थना की। पत्रकारों की बैठक नगीना धामपुर रोड स्थित रॉयल रिसोर्ट में कार्यकारी अध्यक्ष डॉ. मुअज्जम हुसैन रियाजी की अध्यक्षता एवं महामंत्री गौरव गोयल के संचालन में आयोजित की गई जिसमें विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस पर वक्ताओं ने विचार व्यक्त करते हुए पत्रकार एकता पर बल दिया गया।

संगठन की मजबूती के लिये लगातार प्रयास करते रहने की अपील की था गई बैठक में पत्रकारों की विभिन्न समस्याओं को पुरजोर तरीके से उठाया गया और सभी सदस्यों के प्रयास से अध्यक्ष एवं महामंत्री जी द्वारा बेहद कुशलता से निपटारा किया गया और सर्वसम्मति से यह मी निर्णय लिया गया कि यदि कोई सदस्य संगठन छोड़कर जाता है तो भविष्य में पुनः उनकी संगठन में वापसी नहीं होगी और उसे ब्लैकलिस्टेड कर दिया जाएगा नए आई डी कार्ड व नये सदस्यों को जोड़ने व कमेटी के पुर्नगठन पर अगली बैठक में निर्णय लेने का, प्रशताव पारित किया गया तथा विशेष मुद्दों पर मी विचार विमर्श किया गया।

बैठक के अन्त में पहलगाम के बेसरन में 28 निर्दोष पर्यटकों की निर्मम हत्या की कड़ी निन्दा करते हुए उनकी आत्मा की शान्ति के लिये दो मिनट का मौन रखा गया तथा संगठन के अध्यक्ष प्रदीप जैन के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की गई।

इस मौके पर संगठन के कार्यकारी अध्यक्ष डॉ मोअज्ज़म रियाज़ी, महामंत्री गौरव गोयल, वरिष्ठ पत्रकार अनुज शर्मा, मुनीर आलम, यासीन सोनी, नौशाद अंसारी, शेख नगीनवी, मनीष राणा, यासिर शम्सी, शेख जमशेद, तनवीर आलम अंसारी, खालिद नोमानी, अनवर महमूद, इमरान अंसारी, विनीत गर्ग, डॉ आलमगीर काज़मी आदि मौजूद रहे।

जनपद भर के रिक्शा चालको ने आजाद ई रिक्शा वेलफेयर एसोसिएशन के बैनर तले संगठित रहने का लिया संकल्प

✷ एनसीआर टुडे. नजीबाबाद ✷

आज़ाद ई रिक्शा वैलफेयर एसोसिएशन के बैनर तले एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमे जिले भर की रिक्शा यूनियनो के कार्यकर्ताओ व पदाधिकारियों ने पहुंच कर बैठक को सफल बनाने का कार्य किया।

रविवार को रायपुर रोड स्थित बेंकिट हॉल में आयोजित कार्यक्रम में जिले भर की रिक्शा यूनियनो ने एक जुट होकर कार्य करने का संकल्प लिया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ऋषिपाल जी ने कहा की किसी भी रिक्शा चलाक का उत्पीड़न अब बर्दाश्त नहीं किया जायेगा। पूर्व चेयरमैन बिजनौर शमशाद अंसारी ने कहा की जल्द ही पूरे जिले की कमेटी बना कर रिक्शा चलाको की हको की लड़ाई लड़ने का कार्य किया जायेगा। शाहिल मेहरा अध्यक्ष किरतपुर ने कहा की सभी रिक्शा चालक अपना डराइविंग लाइसेंस सहित सभी कागजात को पूरा करने कार्य करें।

कार्यक्रम में नजीबाबाद अध्यक्ष ईदरीश अहमद, महासचिव मोहम्मद जफर, मुक्तीम अहमद, आज़म एडवोकेट, महमूद अहमद, मुश्तक़ीम कुरैशी, हरी प्रसाद, शहरोज खान आदि ने मुख्य अतिथि ऋषि पाल जी, पूर्व चेयरमैन बिजनौर शमशाद अंसारी, शाहिल मेहरा अध्यक्ष किरतपुर, असद फारुकी, आदि अतिथियों का फूल माला पहना कर भव्य स्वागत किया।

जाति जनगणना की लड़ाई स्वर्गीय मुलायम सिंह यादव ने लड़ी अब उसने मंजिल पाई : शमशाद रशीद

✷ एनसीआर टुडे. नगीना ✷

नगीना तहसील ग्राम फतेहपुर में PDA की बैठक पूर्व प्रधान महेंद्र सिंह जी के निवास स्थान पर संपन्न हुई जिसकी अध्यक्षता संजय सिंह ने की वह

संचालन राजेश ने किया समाजवादी पार्टी अल्पसंख्यक सभा के राष्ट्रीय सचिव शमशाद रशीद ने कहां जाति जनगणना की लड़ाई स्वर्गीय मुलायम सिंह यादव बरसों से उठाते चले आ रहे थे।

अब उसको मंजिल मिली इस बार 2027 के चुनाव में 403 सीटों पर किसी की कोई चालाकी नहीं चलेगी PDA परिवार एकजुट होकर सपा के साथ आ गया है शमशाद रशीद 2027 के चुनाव में सभी से सहयोग मांगा और कहां हमारे कैंडिडेट को जिताकर अखिलेश जी को मुख्यमंत्री बनाएं ग्राम फतेहपुर में सड़कों का बहुत बुरा हाल है। ग्राम के पूर्व प्रधान महेंद्र सिंह ने रुचि वीरा सांसद जी को गांव में बुलाने की मांग की और कहां के उनको दिखा कर हम सड़क बनवाना चाहते हैं बैठक में रंजीत. कुमार ब्रह्मपाल कुमार ओमप्रकाश संजय सिंह अवधेश कुमार लक्ष्मण सिंह मनोज सिंह कृष्ण कुमार संजय सिंह विजय सिंह इत्यादि लोगों ने भाग लिया।

जूनियर वेटलिफ्टिंग चैंपियनशिप में पर्व चौधरी ने कांस्य पदक जीता

✷ एनसीआर टुडे. नहटौर ✷

पेरू के लीमा में आयोजित हुई यूथ और जूनियर वेट लिफ्टिंग चैंपियनशिप में नहटौर के खाकम निवासी वेटलिफ्टर पर्व चौधरी ने अपने वर्ग भर में कांस्य पदक प्राप्त किया।

पर्व ने 315 किलो वजन उठाया। 30 अप्रैल से 5 मई तक पेरू की राजधानी लीमा में वेटलिफ्टिंग यूथ और जूनियर वर्ल्ड चैंपियनशिप का आयोजन हुआ। जिसमें पर्व चौधरी पुत्र विकास चौधरी ने 96 किलो कैटेगरी में ब्रॉन्ज मेडल प्राप्त किया।

पर्व चौधरी ने 315 किलो भार उठाया। क्लीन एंड जर्क में 175 किलो भार उठाकर सिल्वर पदक प्राप्त किया। इससे पूर्व पर्व ने कॉमनवेल्थ चैंपियनशिप और एशियाई चैंपियनशिप में भी गोल्ड और ब्रांज मेडल प्राप्त कर चुका है। देहरादून में आयोजित नेशनल गेम्स में सिल्वर मेडल प्राप्त किया।

वेटलिफ्टिंग खिलाड़ी पर्व चौधरी की सफलता पर उसके दादा राजेंद्र सिंह, कोच करण सिंह, जसवंत सिंह चांग, हिमांशु चांग, प्रशांत, विमल, धीरज, सलमान, अहमद हसन, कुलदीप, इकबाल, गोलू, मनजीत सिंह, पुनीत तुषियार आदि ग्रामीणों ने ख़ुशी जताई है।

एनसीआर और उत्तर प्रदेश में बारिश के आसार, 58 जिलों के लिए अलर्ट जारी

✷ एनसीआर टुडे. नोएडा ✷

उत्तर भारत में गर्मी से राहत देने वाली बारिश का दौर एक बार फिर शुरू हो गया है। पिछले कुछ दिनों से एनसीआर सहित पूरे उत्तर प्रदेश में मौसम का मिजाज बदल गया है। मौसम विभाग के अनुसार, सोमवार से ही दिल्ली-एनसीआर के विभिन्न हिस्सों में गरज-चमक के साथ बारिश और आकाशीय बिजली गिरने की संभावना जताई गई है।

दिल्ली, उत्तर प्रदेश के नोएडा, ग्रेटर नोएडा तथा गाजियाबाद और हरियाणा के गुड़गांव तथा फरीदाबाद जैसे क्षेत्रों में बारिश के कारण जलभराव की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। मौसम विभाग ने उत्तर प्रदेश के 58 जिलों के लिए भी बारिश और ओलावृष्टि का येलो अलर्ट जारी किया है।

दिल्ली-एनसीआर में सोमवार को सुबह से ही धूप-छांव का खेल चलता रहा। दोपहर बाद पूरी तरह बादल छा गए और उमस बढ़ गई जिससे बारिश की संभावना ज्यादा हो गई है। रविवार को प्रदेश के कई जिलों में हल्की से मध्यम बारिश दर्ज की गई थी। वाराणसी, जौनपुर, गाजीपुर, आजमगढ़ और बलिया समेत 10 से अधिक जिलों में शाम के समय तेज हवाओं के साथ बारिश हुई। वहीं, पीलीभीत में 50 ग्राम तक के ओले गिरे, जिससे कई वाहनों को नुकसान पहुंचा। ओलों की मार से कारों के शीशे तक टूट गए। रविवार को जहां एक ओर उत्तर प्रदेश का झांसी 41 डिग्री सेल्सियस तापमान के साथ सबसे गर्म शहर रहा, वहीं मुजफ्फरनगर का न्यूनतम तापमान 21.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। बारिश के चलते अधिकतम तापमान में दो से तीन डिग्री की गिरावट देखी गई है।

मौसम विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक मनोज श्रीवाश्तव ने बताया कि उत्तर प्रदेश में सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ के कारण मौसम में यह बदलाव देखने को मिल रहा है। इसके साथ ही बंगाल की खाड़ी से आ रही नमीयुक्त हवाओं के प्रभाव से प्रदेश के पश्चिमी और पूर्वी हिस्सों में बारिश हो रही है। उन्होंने बताया कि आगामी दो दिनों तक बारिश और आंधी-तूफान का सिलसिला जारी रहने की संभावना है। इस दौरान लोगों को सतर्क रहने और सुरक्षित स्थानों पर शरण लेने की सलाह दी गई है।

विशेषज्ञों का मानना है कि यह मौसम परिवर्तन कृषि के लिए फायदेमंद हो सकता है, लेकिन ओलावृष्टि से खड़ी फसल को नुकसान पहुंचने की आशंका भी बनी हुई है। प्रशासन ने सभी संबंधित विभागों को अलर्ट पर रहने के निर्देश दिए हैं, ताकि किसी भी आपात स्थिति से निपटा जा सके।

नीट यूजी परीक्षा के नाम पर झांसा दे पैसे ऐंठने की कोशिश 3 गिरफ्तार

✷ एनसीआर टुडे. नोएडा ✷

उत्तर प्रदेश पुलिस के विशेष कार्यबल (एसटीएफ) की नोएडा इकाई ने नीट यूजी प्रतियोगी परिक्षा में पास कराने के नाम पर कथित रूप से ठगी करने वाले एक गिरोह के तीन बदमाशों को रविवार को गिरफ्तार कर लिया।

एक पुलिस अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी। एसटीएफ (नोएडा) के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक राजकुमार मिश्रा ने बताया कि रविवार को आयोजित हुई 'राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा-स्नातक' (नीट यूजी) में शामिल होने वाले अभ्यार्थियों के परिजनों से ठगों के संपर्क करने की जानकारी मिली थी। उन्होंने बताया कि जानकारी मिली थी कि गिरोह के सदस्य छात्रों के परिजनों से संपर्क कर उन्हें उत्तीर्ण कराने का झांसा दे रहे हैं और इसके एवज में मोटी रकम मांग रहे हैं।

मिश्रा ने बताया कि प्राप्त सूचना के आधार पर सेक्टर-3 में एक स्थान पर छापेमारी कर गिरोह के तीन सदस्यों को गिरफ्तार कर लिया गया और इनके पास से दस मोबाइल फोन, दो आधार कार्ड, एक क्रेडिट कार्ड, एक मतदाता पहचान पत्र, कुछ पासपोर्ट, चेकबुक, मैकबुक, फाच्यूर्नर एसयूवी कार व अभ्यर्थियों का डेटा बरामद हुआ है। मिश्रा के अनुसार आरोपियों की पहचान दिल्ली के लक्ष्मी नगर निवासी विक्रम कुमार साह व अनिकेत कुमार और दिल्ली के शिवपुर पश्चिम सागरपुर निवासी धर्मपाल सिंह के रूप में हुई।

नगर पालिका परिषद द्वारा, बरसात से पहले ही, बड़े नालों की सफाई

एनसीआर टुडे. नगीना। नगर पालिका परिषद, की ओर से, शहर के नालों की सफाई जेसीबी मशीन द्वारा कराई जा रही है, जिससे आने वाली बरसात में, गंदगी का साम्राज्य ना हो सके, नगर पालिका परिषद के स्वास्थ्य निरीक्षक, धीरज राय वर्मा ने बताया कि,शहर के सौंदर्य करण तथा सफाई का विशेष ध्यान रखा जा रहा है।

टाटा शहर के हर नालों की सफाई बड़े पैमाने पर जेसीबी मशीन द्वारा कराई जा रही है। उन्होंने सभी शहर वासियों से नाली में पॉलिथीन न डालने की अपील की। उन्होंने कहा कि अपने घर का कूड़ा निर्धारित कूड़े दान में ही डालें, उन्होंने सफाई व्यवस्था बनाए रखने में जनता के सहयोग की अपेक्षा की है।

मोबाइल स्नैचिंग गिरोह का पर्दाफाश, हथियार के साथ पकड़ा

✷ एनसीआर टुडे. नोएडा ✷

नोएडा के थाना एक्सप्रेस-वे पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने मैनुअल इंटेलिजेंस व इलेक्ट्रॉनिक सर्विलांस की मदद से मोबाइल स्नैचिंग करने वाले तीन शातिर अपराधियों को गिरफ्तार किया है।

पकड़े गए आरोपियों के कब्जे से चोरी/स्नैचिंग किए गए 8 मोबाइल फोन, दो मोटरसाइकिल और एक अवैध तमंचा समेत जिंदा कारतूस बरामद किए गए हैं। गिरफ्तार किए गए अभियुक्तों की पहचान मोनू, तनिष्क और मनीष के रूप में हुई है। ये तीनों अभियुक्त थाना फेस-2 क्षेत्र के ग्राम इलाहाबास और सुल्तानपुर जिले के निवासी हैं।

पुलिस ने इन तीनों को वाजिदपुर से पुश्ता की तरफ जाने वाले तिराहे के पास से गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार, ये अभियुक्त नोएडा, दिल्ली और एनसीआर क्षेत्र में मोटरसाइकिल पर सवार होकर राह चलते लोगों से मोबाइल फोन छीन लेते थे और फरार हो जाते थे। इनके खिलाफ थाना फेस-2 और थाना एक्सप्रेस-वे में पहले से ही कई मुकदमे दर्ज हैं। पकड़े गए मोबाइल फोनों की जांच की जा रही है, ताकि इनके मालिकों की पहचान की जा सके और उन्हें लौटाया जा सके।

अभियुक्त मोनू के खिलाफ 4 मुकदमे दर्ज हैं, जिनमें आर्म्स एक्ट के तहत कार्रवाई की गई है। इसी प्रकार तनिष्क और मनीष के खिलाफ भी गंभीर धाराओं में मुकदमे दर्ज हैं। तीनों पर लूट, चोरी, आर्म्स एक्ट के तहत पहले भी अभियोग पंजीकृत हैं। ये तीनों शातिर अपराधी हैं।

पुलिस अधीक्षक ने इस सफलता के लिए एक्सप्रेस-वे थाना पुलिस की सराहना की है और कहा है कि ऐसे अपराधियों के खिलाफ अभियान जारी रहेगा। आम जनता से भी अपील की गई है कि वे अपने मोबाइल फोन को सार्वजनिक स्थानों पर संभालकर रखें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को दें।

महत्वपूर्ण सूचना

सर्वसंबंधित को सूचित किया जाता है कि रेलवे द्वारा रेलगाड़ी सं. 04064 / 04063 नई दिल्ली – गया – नई दिल्ली रिर्जवड स्पेशल के संचालन मार्ग का विस्तार शेखपुरा तक किया जा रहा है विस्तृत मार्ग के ठहरावों की संशोधित समय–सारणी निम्नानुसार होगी:–

04064/04063 नई दिल्ली – शेखपुरा – नई दिल्ली रिर्जवड सुपरफास्ट स्पेशल ट्रेन

रेलगाड़ी सं.: 04064		स्टेशन	रेलगाड़ी सं.: 04063	
आगमन	प्रस्थान		प्रस्थान	आगमन
----	09:30	नई दिल्ली	01:10	-----
16:05	16:10	गोविंदपुरी	17:45	17:50
19:05	19:10	प्रयागराज जं.	14:55	15:00
22:25	22:35	पं.दीनदयाल उपाध्याय जं	11:30	11:40
23:13	23:15	भभुआ रोड	10:25	10:27
23:40	23:42	सासाराम	09:50	09:52
23:55	23:57	डेहरी–ऑनसोन	09:30	09:32
02:20	02:25	गया जं.	08:15	08:20
03:10	03:12	तिलैया	07:05	07:07
03:27	03:29	नवादा	06:48	06:50
03:45	03:47	वारिसली गंज	06:25	06:27
04:30	----	शेखपुरा	-----	06:00

चलने के दिन : 04064 नई दिल्ली स्टेशन से 10.07.2025 तक और 04063 शेखपुरा स्टेशन से 06.05.2025 से 11.07.2025 तक।

नोटः शेष निर्देश यथावत रहेंगे।

रेलयात्रियों से अनुरोध है कि किसी भी जानकारी के लिए रेलमदद हेल्पलाईन सं. 139 पर सम्पर्क करें अथवा रेलवे की वेबसाइट https://enquiry.indianrail.gov.in अथवा NTES App देखें।

रेलमदद वेबसाइट देखें: www.railmadad.indianrailways.gov.in रेलमदद ऐप डाउनलोड करें

पर हमें फॉलो करें

उत्तर रेलवे

हमें www.nr.indianrailways.gov.in पर मिलें

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

संपादकीय

जातिवार जनगणना के निहितार्थ, समाज की अपेक्षाओं का चलेगा पता

भारतीय राजनीति के लिए यह एक दुर्लभ क्षण है जब सत्ता पक्ष एवं विपक्ष, दोनों एकमत हुए हैं। दोनों पक्ष देश में जाति के आधार पर अगली जनगणना कराने के मुद्दे पर राजी हो गए हैं। अंतिम बार वर्ष 1931 में अंग्रेजों ने देश में जातीय जनगणना कराई थी।

इस दूरगामी फैसले को सामाजिक न्याय मुहैया कराने और पिछड़ों के सशक्तीकरण से जोड़कर प्रश्तुत किया जा रहा है और सभी दल इसका श्रेय लेने के लिए अपना-अपना दावा पेश कर रहे हैं। भारतीय समाज की एक प्राचीन संस्था के रूप में जाति के अनेक संस्करण होते रहे हैं। शुद्धता और अपवित्रता की अवधारणा के इर्द-गिर्द फैली-पसरी जाति व्यवस्था से जुड़ी कुरीतियों के चलते आधुनिक दृष्टि प्रायः इसे लेकर चिंता प्रकट करती रही है। देश के सभी नेता इसे विभाजनकारी, शोषक और प्रगति के मार्ग में प्रमुख बाधा मानते आए हैं। जाति जन्म से जुड़ी एक पदानुक्रमिक सामाजिक श्रेणीकरण की परिपाटी है।

परंपरा के अनुसार जाति व्यवस्था उस व्यक्ति के लिए सुविधाओं और प्रतिबंधों की परिधि बनाती चलती है। सामाजिक सीमा बनाती जाति खास तौर पर वैवाहिक संबंधों को अंतरजातीय परिधि में सीमित करते हुए सामाजिक गतिशीलता को रोकने वाली रही है। जाति व्यक्ति के निजी गुणों या व्यवहारों की उपेक्षा कर उसके ऊपर अपेक्षाओं का बोझ लादती है, जिसे उसे जीवन भर ढोना पड़ता है।

जाति एक जटिल सामाजिक व्यवस्था है, जिसका स्वरूप समय और स्थान के साथ बदलता रहा है। कर्म पर आधारित चार वर्णों वाली मूल व्यवस्था कब जन्म आधारित जाति की रूढ़ि में ढल गई, यह कहना तो मुश्किल है, परंतु जाति की व्यवस्था ने निश्चित रूप से भारतीय समाज और उसके सोच-विचार को बुरी तरह से जकड़ लिया कि उससे उबरने की कोशिश कारगर न हो सकी। आज जाति की चेतना को लेकर देश में विचित्र स्थिति पैदा हो रही है। एक ओर जाति से जुड़े प्रतिबंध टूट रहे हैं तो दूसरी ओर प्रत्येक जाति की अलग संस्था बनाने का उन्माद भी दिख रहा है।

लोग जाति से आसानी से जुड़कर अपनी सामाजिक पहचान बना लेते हैं और अतिरिक्त ऊर्जा का अनुभव करने लगते हैं, जो जाति की सदस्यता से मिलती है। यह प्रवृत्ति दिन-प्रतिदिन बलवती हो रही है। आज देश में जातियों और उपजातियों के नाम पर गठित संस्थाओं की भरमार हो रही है। अभिमान और गर्व के साथ लोग इन संस्थाओं का गठन कर रहे हैं, जिनका कथित उद्देश्य उस जाति विशेष के सदस्यों का कल्याण होता है। जाति के साथ नस्ली श्रेष्ठता जैसी भावना भी कुछ समुदायों में दिखती है। स्थानीय श्तर पर बने जाति संघ, जाति परिषद, जाति सेना या जातीय दल भी संबंधित समुदाय के लिए तरह-तरह के काम करते हैं।

आज अगर किसी जाति का कोई संघ मौजूद नहीं है तो वह जाति अपने को कमतर मानती है और समुदाय बनाने चल पड़ती है। इस तरह आज भारतीय समाज में जाति का विरोध और जाति का समर्थन करने वाली, दोनों ही तरह की प्रवृत्तियां साथ-साथ पनप रही हैं। जाति की संस्था का विरोध और खंडन राजनीतिक और सामाजिक चिंतन के लिए वैचारिक आधार देता आया है। अब जाति सामाजिक आचार-विचार से अधिक राजनीतिक लक्ष्य के साथ अधिकाधिक जुड़ती जा रही है। यह एक सर्वविदित तथ्य है कि आम चुनावों में पार्टियां प्रत्याशियों का चुनाव जाति को ध्यान में रखकर ही करती हैं। जाति से जुड़ाव एक आदिम सामाजिक जरूरत को पूरा करता है।

राजनीतिज्ञ इसका लाभ उठाते हैं। लोकतंत्र में संख्या बल का महत्व है। इसलिए आज जातिगत समीकरण का खेल हर कहीं दिख रहा है। जिस क्षेत्र में जो जाति या उपजाति अधिक संख्या में होती है वहां से उसी जाति का प्रत्याशी खड़ा किया जाता है चाहे वह योग्य हो या न हो। यह प्रकट तथ्य है कि जाति और उपजाति को इस तरह प्रमुखता देना जाति की भावना को तीव्र करने वाला है। जाति को योग्यता मान कर हो रही राजनीति सिर्फ पूर्वाग्रह, भेदभाव और शोषण को बढ़ावा देने वाली साबित हो रही है।

यह भी एक सत्य है कि जाति का बंधन भारतीय समाज के एक बड़े तबके के लिए विकास के मार्ग में रोड़ा बना रहा है। स्वतंत्र भारत में जाति के आधार पर होने वाले अमानवीय भेदभाव को समाप्त करने के लिए तमाम कदम उठाए गए हैं। साथ ही पीढ़ियों से शोषित समुदायों को राहत देने और दूसरों की तरह ही विकसित होने का समान अवसर देने के लिए संविधान में विशेष सुविधाओं का प्रविधान किया गया है। इनके लिए शिक्षा और नौकरी में आरक्षण देने की व्यवस्था हुई है। इन सुविधाओं की पात्रता को लेकर समय-समय पर विचार और संशोधन भी होता रहा है।

इस क्रम में जातियों को अनुसूचित और अन्य पिछड़ी जाति (ओबीसी), दलित, महादलित आदि की श्रेणियां बनाई गईं और इनके लिए आवश्यक सुविधाओं का निर्धारण किया गया है। अब लगभग एक सदी बाद भारत में जातियों का आकलन कई दृष्टियों से महत्वपूर्ण होगा। इससे न केवल सामाजिक-सांस्कृतिक परिवर्तन का मानचित्र उभरेगा, बल्कि समाज की अपेक्षाओं का भी पता चलेगा। इस प्रयास में समाज विज्ञानियों का भी सहयोग लिया जाना लाभदायक होगा।

सबके विकास के लिए जरूरी है कि उन लोगों को अच्छी तरह से चिह्नित किया जाए, जो गरीब, पिछड़े और वंचित हैं तथा मानवीय सुविधाओं से वंचित हैं। आशा है कि एक समावेशी समाज के लिए, जिसके सदस्यों की लोकतांत्रिक प्रक्रिया में साक्रिय भागीदारी हो यह जनगणना निश्चित रूप से फलदायी सिद्ध होगी।

भारत-पाकिस्तान सैन्य गतिरोध में कहां खड़ा है भारत?

नित्य चक्रवर्ती

भारतीय टीवी चैनलों और राष्ट्रीय मीडिया के एक हिस्से ने दोहराया कि मोदी का पाकिश्तान के खिलाफ हमला निश्चित रूप से होने वाला है। बुधवार, 30 अप्रैल को स्थिति पूरी तरह बदल गयी, जब अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने भारतीय विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर और पाकिश्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ दोनों को फोन करके दक्षिण एशिया में शांति और सुरक्षा बनाये रखने का आह्वान किया।

22 अप्रैल को पहलगाम में 26 लोगों की नृशंस हत्या को दस दिन बीत चुके हैं। अगले दिनों में, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कई उपायों की घोषणा कर के देश के उबलते मूड को बढ़ावा दिया, जिसमें 1960 में हश्ताक्षरित सिंधु जल संधि को निलंबित करना भी शामिल है। उसके बाद पाकिश्तान ने भी जवाबी कदम उठाये, जिनमें 1972 के शिमला समझौते से बाहर आना भी शामिल रहा।

29 अप्रैल को, प्रधानमंत्री ने अपने सैन्य प्रमुखों के साथ बैठक की और कथित तौर पर उन्हें पाकिश्तान के खिलाफ कार्रवाई के समय और प्रकृति पर निर्णय लेने के लिए पूर्ण स्वतंत्रता दी। उसी रात, पाकिश्तान के सूचना मंत्री ने पत्रकारों से कहा कि-पाकिश्तान को अपनी खुफिया रिपोर्टों के आधार पर आशंका है कि भारत 2-3 दिनों के भीतर सैन्य हमला करेगा, और उस स्थिति में उनका देश पूरी तरह से तैयार है।

भारतीय टीवी चैनलों और राष्ट्रीय मीडिया के एक हिस्से ने दोहराया कि मोदी का पाकिश्तान के खिलाफ हमला निश्चित रूप से होने वाला है। बुधवार, 30 अप्रैल को स्थिति पूरी तरह बदल गयी, जब अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने भारतीय विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर और पाकिश्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ दोनों को फोन करके दक्षिण एशिया में शांति और सुरक्षा बनाये रखने का आह्वान किया। स्वर काफी केंद्रित था और इसमें ट्रंप जैसा स्वर नहीं था, जिन्होंने शुरू में यह आभास दिया था कि अमेरिका उनके प्रिय मित्र नरेंद्र मोदी द्वारा प्रतिशोध के रूप में की जाने वाली हर चीज के साथ जायेगा।

यदि रुबियो की टिप्पणियों का विश्लेषण किया जाये, तो यह अनुमान लगाया जा सकता है कि उन्होंने आतंकवाद के खिलाफ भारत के साथ सहयोग करने की संयुक्त राज्य अमेरिका की प्रतिबद्धता की पुष्टि की। हालांकि, साथ ही, हमले में शहबाज शरीफ सरकार की किसी भी संलिप्तता का उल्लेख किये बिना, रुबियो ने विनम्रतापूर्वक तनाव कम करने की मांग करते हुए औपचारिक रुख अपनाया। गौरतलब है कि अमेरिकी विदेश विभाग के बयान में यह उल्लेख किया गया था कि रुबियो और शरीफ दोनों ने हिंसा के जघन्य कृत्यों के लिए आतंकवादियों को जवाबदेह ठहराने की अपनी निरंतर प्रतिबद्धता की पुष्टि की।

पाकिश्तान पर किसी भी संभावित भारतीय सैन्य हमले के लिए अमेरिका के नवीनतम रुख का क्या मतलब है, जिसमें दो परमाणु-सशस्त्र पड़ोसियों के बीच पूर्ण युद्ध में वृद्धि की संभावना है? सबसे पहले, रुबियो भारत द्वारा अपराधियों का पता लगाने की अपनी कार्रवाई को आगे बढ़ाने के पक्ष में हैं, और वह चाहते हैं कि पाकिश्तान अपनी ओर से इस कार्य में पूरा सहयोग करे। रुबियो ने पहलगाम नरसंहार पर राष्ट्रपति ट्रम्प की भावनाओं को दृढ़ता से व्यक्त किया होगा। लेकिन साथ ही, रुबियो ने कोई संकेत नहीं दिया है कि शहबाज शरीफ सरकार का पहलगाम नरसंहार में शामिल आतंकवादियों के साथ सीधा संबंध है।

रुबियो की शरीफ के साथ बातचीत के बारे में, अमेरिकी विदेश विभाग द्वारा जारी एक बयान में कहा गया कि उन्होंने आतंकी हमले

की निंदा करने की आवश्यकता के बारे में बात की। इसमें कहा गया कि दोनों नेताओं ने आतंकवादियों को उनकी जघन्य हिंसा के लिए जवाबदेह ठहराने की अपनी निरंतर प्रतिबद्धता की पुष्टि की। इसमें कहा गया कि 'सचिव ने इस अमानवीय हमले की जांच में पाकिश्तानी अधिकारियों से सहयोग करने का आग्रह किया। उन्होंने पाकिश्तान को तनाव कम करने और दोनों देशों के बीच सीधे संचार को फिर से स्थापित करने के लिए भारत के साथ काम करने के लिए भी प्रोत्साहित किया।'

22 अप्रैल के पहलगाम नरसंहार के दस दिन बाद का यह परिदृश्य जून 2002 में भारत-पाकिश्तान सैन्य गतिरोध से कई समानताएं रखता है, जब पश्चिमी देशों को जानकारी मिली कि तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने पाकिश्तान पर हमला करने का फैसला किया है। दिसंबर 2001 में दिल्ली में भारतीय संसद पर पाक-प्रेरित आतंकवादी हमले और उसके बाद मई 2002 में जम्मू के कालूचक में एक और नरसंहार के बाद वाजपेयी ने पाकिश्तान के साथ बातचीत की सभी उम्मीदें खो दी थीं। भारतीय अभियान को ऑपरेशन पराक्रम नाम दिया गया था। भारत और पाकिश्तान दोनों ने नियंत्रण रेखा पर भारी संख्या में सैनिकों को तैनात किया और नौसेना तथा सेना की टुकड़ियाँ पूरी तरह से तैयार थीं।

लेकिन फिर, अमेरिका ने जोरदार हश्तक्षेप किया। दक्षिण एशिया की देखरेख करने वाले अमेरिकी विदेश विभाग के अधिकारी रॉबर्ट आर्मिटेज ने दिल्ली में घंटों बिताकर भारतीय पक्ष को युद्ध टालने के लिए मनाया और वायदा किया कि विदेश मंत्री कॉलिनपॉवेल पाकिश्तान के राष्ट्रपति परवेज मुशर्रफ से पाकिश्तान के अंदर आतंकी शिविरों को हटाने और पाकिश्तानी धरती से सक्रिय आतंकवादियों के खिलाफ कार्रवाई करने के बारे में बात कर रहे हैं। पॉवेल आखिरकार सफल हुए और युद्ध टल गया, हालांकि प्रधानमंत्री वाजपेयी खुश नहीं थे। लेकिन साथ ही, उन्हें पता था कि अमेरिका को नाराज़ करके भारत के लिए पाकिश्तान के साथ युद्ध करना संभव नहीं था।

दिलचस्प बात यह है कि मैं जून 2002में भारत-पाकिश्तान सीमा पर बढ़ते तनाव के बीच एक अलग असाइनमेंट पर मास्को में था। जिस दिन मैं मास्को से दिल्ली लौट रहा था, मैंने हवाई अड्डे पर पाया कि प्रधानमंत्री के तत्कालीन प्रधान सचिव ब्रजेश मिश्रा भारत सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ दिल्ली के लिए एक ही उड़ान में सवार थे।

मुझे आश्चर्य हुआ क्योंकि प्रधानमंत्री के पास कोई कार्यक्रम नहीं था। मॉस्को में मिश्रा और वाजपेयी मध्य एशियाई राज्य के दौरे पर थे। मुझे एक अधिकारी ने बताया कि मिश्रा को प्रधानमंत्री ने राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और रूसी अधिकारियों से भारत-पाक गतिरोध पर नवीनतम स्थिति के बारे में बात करने के लिए भेजा था, जो पूरे दक्षिण एशिया को प्रभावित करने वाले किसी भी भारतीय भू-राजनीतिक शतरंज चाल पर रूसी रुख के महत्व को दर्शाता है।

2002 जून की घटना ने प्रदर्शित किया है कि प्रधानमंत्री मोदी को भी पाकिश्तान के खिलाफ कोई भी अंतिम निर्णय लेने से पहले कई कारकों को ध्यान में रखना होगा। टीवी चैनल दावा कर सकते हैं कि हमला आसन्न था। भाजपा समर्थक पाकिश्तान के आने वाले अपमान का इंतजार कर रहे हो सकते हैं। कुछ स्वघोषित विशेषज्ञ आक्रामक टीवी मीडिया पर कह सकते हैं कि पाकिश्तान चार भागों में विभाजित होगा। लेकिन जमीन पर भू-राजनीतिक वाश्तविकता काफी अलग है। प्रधानमंत्री मोदी भी इसे जानते हैं।

सैन्य प्रमुखों को कार्रवाई की प्रकृति पर निर्णय लेने की पूरी स्वतंत्रता देने के बाद, प्रधानमंत्री को किसी भी मजबूत कार्रवाई का संकेत देने से पहले यह देखना होगा कि अमेरिका सीमा पार आतंकवाद को रोकने और आतंकी शिविरों को खत्म करने के लिए भारत को क्या आश्वासन दे सकता है।

इस बार टोपी में से जाति गणना निकाली

शकील अख्तर

जनता को एक के बाद एक नए मुद्दे में उलझाना। इसे खुश होकर उनके भक्त कहते हैं कि यह हेडलाइन मैनेजमेंट हैं। खबरों की सुर्खियों में हम ही रहेंगे। टोपी में से कबतूर निकालने का जादू चलता रहेगा। इस बार जब 26 पर्यटकों की पहलगाम में हत्या हुई और लोग इसके जवाब में आतंकवाद का खात्मा मांग रहे थे तो मोदी जी ने टोपी में से जाति गणना निकाल दी।

लड़ाई तो अब शुरु होगी। जाति गणना की राहुल गांधी की मांग को मोदी सरकार को मानना पड़ा। आम जनगणना में इस बार जातिवार गणना भी होगी। मगर गिनती हो जाना ही अपने आप में कुछ नहीं है। दलितों की आदिवासियों की गिनती है। दस साल बाद होने वाली हर जनगणना में होती है। हालांकि मोदी सरकार ने अभी तक जनगणना ही नहीं करवाई। 2021 में होना थी। मगर कोविड के बहाने उसे टाल दिया गया। जबकि 2021 में ही 5 राज्यों बंगाल, तमिलनाडु, असम, केरल, पुदुचेरी के विधानसभा चुनाव करवाए। इससे पहले 2020 में बिहार, दिल्ली के। और 2022 में उत्तर प्रदेश के चुनाव भी हुए। चुनाव कभी नहीं टाले। मगर पांच साल लेट हो गई जनगणना।

जनगणना में सरकार के सामने सबसे बड़ी समस्या यही थी कि वह जाति गणना से कैसे बचे। मोदी सरकार ने उस समय संसद में कहा था कि वह अनुसूचित जाति और जनजाति के अलावा किसी और समुदाय की गणना नहीं करवाएगी।

ऐसा ही जवाब उसने एक हलफनामे के जरिए सुप्रीम कोर्ट को दिया था। 2021 के बजट में जनगणना के लिए जो पैसा रखा था उसे केंसिल किया (विलंबित) अगले साल 2022 तक के लिए। अगले साल फिर 2023 तक के लिए। सरकार जाति गणना से बचने के लिए जनगणना को भी अभी तक टालती रही।

मगर अब उसने अचानक यह फैसला ले लिया। इस पर बहुत सारी बातें हैं। सवाल हैं। कि अचानक क्यों? देश जब पहलगाम के आतंकवादी हमले के बाद पाकिश्तान पर कड़ी कार्रवाई करने की मांग कर रहा था। पूरा विपक्ष सरकार के साथ खड़ा था तब अचानक प्रधानमंत्री मोदी फैसला करते हैं कि हम तो जातिवार गणना कराएंगे।

11 साल से लोगों को बेवकूफ बनाया जा रहा है। जनता जब जो चाहती है उसे वह न देकर दूसरे मामले में उलझा दिया जाता है। बेरोजगार नौकरी मांगते हैं उनसे कहा जाता है कि वह तुम्हारी भैंस खोल ले जाएंगे।

महिलाएं कहती हैं कि आपने तो कहा था-'बहुत हुआ नारी पर वार अबकी बार मोदी सरकार!' तो कहते हैं कि अब तुम्हारा मंगल सूत्र ले जाएंगे! कुछ भी कह देते हैं। और कुछ नहीं मिला तो कह दिया कि मैं बायलॉजिकल (मां की कोख से जनमा) नहीं हूं।

जनता को एक के बाद एक नए मुद्दे में उलझाना। इसे खुश होकर उनके भक्त कहते हैं कि यह हेडलाइन मैनेजमेंट हैं। खबरों की सुर्खियों में हम ही रहेंगे। टोपी में से कबतूर निकालने का जादू चलता रहेगा। इस बार जब 26 पर्यटकों की पहलगाम में हत्या हुई और लोग इसके जवाब में आतंकवाद का खात्मा मांग रहे थे तो मोदी जी ने टोपी में से जाति गणना निकाल दी।

जाति गणना तो बहुत पुरानी मांग है। होना चाहिए थी। मगर इस समय घोषणा कुछ और चाहिए थी। आतंकवाद के खिलाफ। और घोषणा नहीं कार्रवाई। मगर मोदी जी को आदत पड़ गई है बातों से लोगों को बहलाने की। आखिर 11 साल से यही कर रहे हैं। मगर इस बार संभव नहीं लगता।

दो बड़ी बातें हैं। पहली, बार-बार सीमा पार से आकर यहां लोगों को मारे जाने की घटनाएं और उन पर कोई कार्रवाई नहीं होना। पुलवामा में चालीस जवान शहीद, गलवान में बीस जवान और अब पहलगाम में 26 पर्यटक। दूसरी बात, इनके जवाब में जो मोदीजी जो जाति गणना लाए हैं वह उन्हें उलटी पड़ रही है। आरएसएस और भाजपा के मूल विचार यथास्थितिवाद के खिलाफ है। यह दक्षिणपंथी संगठन सामाजिक ढांचे में बदलाव के सख्त खिलाफ हैं।

लेकिन समय की ऐसी बलिहारी है कि देश में सामाजिक ढांचे के बदलाव के आज तक के सबसे बड़े काम की घोषणा मोदी जी के हाथों होना थी। हो गई। बहुत अच्छा हुआ। सोचिए अगर यह घोषणा राहुल गांधी करते तो क्या होता? 1990 याद कर लीजिए। उसी तरह देश भर में बीजेपी इसके विरोध में हिंसक आंदोलन शुरू कर देती। युवाओं का आत्मदाह याद है! क्या भयावह समय था। वीपी सिंह को आज तक गालियां देते हैं।

मोदी जी की घोषणा से एक लाभ यह जरूर हुआ कि प्रतिक्रियावादी ताकतें मुख्यतः ओबीसी और दलित आदिवासी के खिलाफ खुल कर नहीं आ पा रही हैं। केवल सोशल मीडिया तक ही सीमित हैं। हालांकि सोशल मीडिया पर बहुत गंदगी फैलाई जा रही है। मगर वहां कब नहीं फैला रहे थे ये लोग? फर्क बस इतना था कि पहले मुस्लिम के खिलाफ फैला रहे थे और अब पिछड़ा, अति पिछड़ा, दलित, आदिवासी के खिलाफ।

मामला पूरा यू टर्न ले गया। अभी तक इस वर्ग को समझा रहे थे कि मुस्लिम तुम्हारे खिलाफ है। झारखंड के चुनाव में तो इस बार प्रधानमंत्री मोदी ने बोल ही दिया था कि बेटी ले जाएंगे। मगर मजबूरी में जैसे ही जाति गणना की घोषणा की तो सारा नजला पिछड़ा अति पिछड़ा दलित आदिवासी पर गिरने लगा।

उसकी सारी सेवाएं भूल गए कि उनको ही आगे ले जाकर मस्जिदों के बाहर नाचते और नारे लगाते थे। 11 साल में देश में हिन्दू-मुसलमान हवा बनाने के लिए सबसे ज्यादा उपयोग समाज के इस वंचित समाज का ही किया। और अब उसे ही गालियां दी जा रही हैं।

दूसरा बड़ा सेटबैक समाज की उच्च जातियों को भी लगा। आज तक का सबसे बड़ा धक्का। हमला। दिखाते तो इसे भी मुसलमान मुसलमान ही रहे। मगर छीन इसका सारा प्रिवलेज (विशेषाधिकार) लिया। जाति भारत में एक प्रिवलेज की तरह थी। और उसकी सबसे बड़ी रक्षक होने का दावा भाजपा आरएसएस करती थी।

मगर पैनिक रिएक्शन (घबराहट) में वह जाति गणना ले आई। इसका कोई फायदा उसे नहीं मिलेगा। दोई दीन से गए ...! इसके आगे नहीं लिख रहे। लोग इस पर भी ऐतराज करने लगे हैं। यह वाला लिख देते हैं कि न खुदा ही मिला न विसाले सनम, न इधर के हुए न उधर के हुए! यह भी हलवा मिला न मांडे के मुकाबले का है।

सवर्ण समझ गया कि वह भी बीजेपी आरएसएस के लिए उपयोग की चीज है। अब पिछड़ा ज्यादा महत्वपूर्ण लगने लगा तो उस पर ही चोट कर दी। और ऐसी चोट की अब वह कभी वर्चस्व की लड़ाई में संख्या बल के सामने टिक ही नहीं पाएगा। मोदी को जो वह आंख बंद करके समर्थन दे रहा था वह उसे उलटा पड़ गया। सोशल मीडिया ही आज समाज का आईना बना हुआ है।

उस पर तमाम मोदी के समर्थक लिख रहे हैं कि अब उनका समर्थन बंद। बड़ा धोखा हो गया। सही बात है। राहुल करते, अखिलेश करते, तेजस्वी करते तो यह स्वाभाविक माना जाता। वे सामाजिक न्याय की लड़ाई लड़ रहे थे। मगर इसे देश को तोड़ने वाला अरबन नक्सल का विचार बताने वाले जब खुद इसको ले आए तो साफ हो गया कि वे लोगों का ध्यान भटकाने के लिए कुछ भी कर सकते हैं। उनकी किसी विचार से कोई प्रतिबद्धता नहीं है। अगर है तो केवल वोट से अपनी सत्ता से।

और अब आखिरी बात। कहानी शुरू वहीं से की थी कि अभी सिर्फ घोषणा हुई है। इसे लागू करवाना और फिर जाति की संख्या के आधार पर हिस्सेदारी के लिए पिछड़े, अति पिछड़े दलित आदिवासी को निर्णायक लड़ाई लड़नी होगी। मोदीजी ने तो आज मुद्दा बदलने के लिए इसकी घोषणा कर दी। महिला आरक्षण की भी की थी। नौकरियों की भी, महंगाई कम करने के भी, 15 लाख की भी सबकी। लेकिन लागू क्या हुआ, मिला क्या?

अब सोचना पिछड़े दलित आदिवासी को है कि कौन उसे संख्या के हिसाब से हिस्सेदारी दिला सकता है? किसके विचारों में वाश्तव में सामाजिक न्याय है ? और कौन सामाजिक न्याय, समानता को समरसता कहकर कमजोर को बलवान के साथ समरस करके मिलाकर रखना चाहता है। समरसता मतलब जो समर्थ कहे उसे मानना। समानता मतलब समर्थ के बराबर सामाजिक रूप से कमजोर का भी अधिकार।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार है)

कबाड़ से जुगाड़ के नवाचार की सौन्दर्यमयी चमक

ललित गर्ग

'कबाड़ से जुगाड़' सिर्फ़ एक तरीका नहीं, बल्कि एक रचनात्मक दर्शन है जो संसाधनशीलता और नवाचार को बढ़ावा देता है। यह अपसाइकल की गई रचनाओं और सरल समाधानों के माध्यम से अपरंपरागत सोच की शक्ति का प्रमाण है। 'कबाड़ से जुगाड़' का दर्शन बेकार वश्तुओं को उपयोगी बनाने और संसाधनों का अधिकतम उपयोग करने पर जोर देता है।

यह दर्शन हमें नए और रचनात्मक समाधान खोजने के लिए प्रेरित करता है, जो मौजूदा समस्याओं को हल करने में मदद करते हैं और इससे कचरे को कम करने और पर्यावरण को बचाने में मदद मिलती है। यह आत्मनिर्भरता का भी दर्शन है, जो हमें अपनी जरूरतों को पूरा करने के लिए खुद पर निर्भर रहने के लिए प्रोत्साहित करता है, यह दर्शन जटिल समस्याओं के लिए सरल और व्यावहारिक समाधान खोजने पर जोर देता है।

जुगाड़ एक बोलचाल का हिंदी शब्द है जिसका मतलब है अपरंपरागत, किफायती नवाचार। कबाड़ से बने म्यूरल, पार्क और अन्य कलाकृतियां 'कबाड़ से जुगाड़' के उपक्रम को दर्शाती हैं। कबाड़ से बनाए गए टेलीस्कोप, लेजर लाइट ब्लोइंग कार, वाटर प्यूरीफायर आदि कबाड़ से जुगाड़ के उदाहरण है। चंडीगढ़ का रॉक गार्डन, जुन्नारदेव जनपद पंचायत के बरेलीपार गांव के ग्रामीणों का कबाड से बना स्वच्छता पार्क एवं मेरठ का 'कबाड़ से जुगाड़' अभियान ऐसे विरल एवं अनुकरणीय उदाहरण हैं जो राष्ट्रीय फलक पर चमक रहे हैं। कबाड़ से जुगाड़ बेकार की वश्तुओं से उपयोगी वश्तुएं बनाने की एक प्रक्रिया है। कबाड़ से जुगाड़ ना केवल हमारे पर्यावरण के संरक्षण के लिए बहुत सहायक है बल्कि यह अनुपयोगी वश्तुओं के निपटान का भी एक सटीक उपाय है। इसके माध्यम से हम ऐसी अनुपयोगी वश्तुओं को फेंकने की जगह उनसे कुछ उपयोगी वश्तुएं बना सकते हैं।

कबाड़ से जुगाड़ के माध्यम से देश की अर्थव्यवस्था को एक नया आयाम दिया जा सकता है, जो रचनात्मकता एवं सृजनात्मकता की दिशा में उठाया गया एक सार्थक कदम है। हम भारतवासी वैसे भी जुगाडू होते हैं जो अपना काम बनाने के लिए हर जगह कुछ ना कुछ जुगाड़ कर लेते हैं।

यदि हम अपनी रचनात्मकता कबाड़ से जुगाड़ में लगाएं तो दिनों दिन बढ़ते जा रहे कचरे के निपटान में अपना महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं। इससे प्लास्टिक एवं ई-कचरे में निरंतर कमी आती जाएगी और पर्यावरण संरक्षण भी बढ़ेगा। संसाधनों पर वह भी बोझ कम पड़ेगा।

मेरठ का 'कबाड़ से जुगाड़' अभियान अब राष्ट्रीय फलक तक चमका, एक सकारात्मक सोच एवं सृजन का अनूठा उदाहरण बन गया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मन की बात के 93वें संस्करण में योगी आदित्यनाथ सरकार के इस प्रयास की काफी सराहना की। शहरों को संवारने के प्रदेश सरकार के सपनों को साकार करते हुए मेरठ नगर निगम ने निष्प्रयोज्य वश्तुओं से कम लागत में ही शहर की आभा में चार चांद लगा दिए हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि यह प्रयास पर्यावरण की सुरक्षा और शहर के सुंदरीकरण से जुड़ा है। निष्प्रयोज्य वश्तुएं स्क्रैप, पुराने टायर, कबाड़, खराब ड्रम से भी कम खर्चे में कैसे शहर को संवारा जा सकता है, मेरठ इसकी बानगी है। कम खर्चे में सावर्जनिक स्थलों का सुंदरीकरण कैसे हो, यह अभियान इसकी मिसाल है। खराब पड़ी चीजों का प्रयोग कर शहर को सजाया

गया। गांधी आश्रम चौराहा, गढ़ रोड पर लोहे के स्क्रैप, पुराने पहियों से फाउंटेन निर्मित कराया गया।

सर्किट हाउस चौराहे पर लाइट ट्री, पुराने बेकार ड्रमों से स्ट्रीट इंस्टलेशन, हाथ ठेली के बेकार पहियों से बैरिकेडिंग कर मिनी व्हील पार्क, जेसीबी के पुराने टायरों से डिस्प्ले वॉल, पार्कों में बैठने के लिए स्टूल मेज आदि की व्यवस्था की गई।

मेरठ नगर निगम ने शहर को चमकाने के लिए अनोखे प्रयोग किए, जो काफी सफल रहे। दरअसल नगर निगम में बने गोदाम में पड़े कबाड़ की न तो उचित कीमत मिल रही थी और न ही इसका सही उपयोग एवं निपटान हो रहा था, पर योगी सरकार की पहल पर नगर आयुक्त अमित पाल शर्मा ने शहर को जगमगाने का निर्णय लिया। लाइटिंग वाला कृत्रिम पेड़ भी न सिर्फ लोगों को आकर्षित कर रहा है, बल्कि शहर की खूबसूरती में चार चांद लगा रहा है। इसकी आभा देख लोग निहाल और अचंभित हो रहे हैं।

कबाड़ से जुगाड़ का मतलब है बेकार पड़ी चीजों से कुछ उपयोगी या रचनात्मक बनाना, जैसे कि कचरे से सुंदर सजावटी वश्तुएं, या बेकार प्लास्टिक से जूते-चप्पल बनाना। ग्रामीणों ने कबाड़ से एक सुंदर स्वच्छता पार्क बनाया, जिसमें सजावटी वश्तुएं, आरामदायक बैठने की व्यवस्था और स्वच्छता से संबंधित कलाकृतियाँ शामिल हैं। बच्चों को सिखाने के लिए कबाड़ के सामान से खिलौने बनाए जा सकते हैं, जैसे कि टेलीस्कोप, लेजर लाइट ब्लोइंग कार, रबर बैंड नाव, टेबल लैंप, वाटर प्यूरीफायर आदि। बेकार लकड़ी, प्लास्टिक और अन्य सामग्रियों से फर्नीचर बनाया जा सकता है, जैसे कि टेबल, कुर्सी, और अलमारी।

कबाड़ से कलाकृतियाँ बनाई जा सकती हैं, जैसे कि पेंटिंग, मूर्तिकला, और सजावटी वश्तुएं। पुराने कपड़ों से नए कपड़े या बैग बनाए जा सकते हैं। कबाड़ से खाद और अन्य उपयोगी चीजें बनाई जा सकती हैं, जो खेती के लिए उपयोगी हो सकती हैं। जयपुर फुट, यह एक कृत्रिम अंग है जो कम लागत में बनाया जाता है और यह 'जुगाड़' मानसिकता का एक बेहतरीन उदाहरण है।

प्लास्टिक के कबाड़ को रिसाइकल करके उपयोगी चीजें बनाई जा सकती हैं, जैसे कि प्लास्टिक दाना जो फुटवियर फैक्ट्रियों में इश्तेमाल होता है। कबाड़ से विभिन्न उपकरण बनाए जा सकते हैं, जैसे कि पानी फिल्टर, यांत्रिक उपकरण आदि। कबाड़ से सजावटी वश्तुएं बनाई जा सकती हैं, जैसे कि विंड चाइम, फोटो फ्रेम, फूलों के गमले, आदि। जो सामान घर में उपयोग ना हो तो वह कबाड़ में तब्दील हो जाता है। इसके बाद उसे ऐसे ही बाहर फेंक दिया जाता है।

अगर यही कबाड़ आपकी सेहत बनाने का काम करने के साथ ही गांव और शहर की सुंदरता में चार चांद लगा दे तो यह अपने आपमें चर्चा एवं अनुकरणीय उदाहरण बन जाता है। कुछ ऐसा ही किया है आदिवासी ग्राम पंचायत बरेलीपार के लोगों ने, खेतों में उपयोग होने वाले औजारों सहित घर की खराब वश्तुओं का उपयोग कर ग्रामीणों ने ऐसा काम किया कि जो भी देखता है तो दंग रह जाता है। कबाड़ से ग्रामीणों ने स्वच्छता पार्क बनाने के साथ ही हेलीकॉप्टर तक बना दिया। कबाड़ के जुगाड़ से ग्रामीणों ने सुंदर पार्क का निर्माण किया तो लोगों की सेहत बनाने में भी कारगर साबित हो रहा है।

आज दुनिया के सामने कई तरह की चुनौतियां हैं, जिसमें से ई-वेस्ट एक नई उभरती विकराल एवं विध्वंसक समस्या भी है। दुनिया में हर साल 3 से 5 करोड़ टन ई-वेस्ट पैदा हो रहा है। ग्लोबल ई-वेस्ट मॉनिटर के मुताबिक भारत सालाना करीब 20 लाख टन ई-वेस्ट पैदा करता है और अमेरिका, चीन, जापान और जर्मनी के बाद ई-वेस्ट उत्पादक देशों में 5वें स्थान पर है।

दुनिया डिजिटल अर्थव्यवस्थाओं की ओर तेजी से बढ़ रही है, सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी आधारित सेवाएं एवं इलेक्ट्रोनिक क्रांति ने लोगों के जीवन को आसान बना दिया है, लेकिन अर्थव्यवस्था एवं जीवन का डिजिटल अवतार इलेक्ट्रोनिक कचरे की शक्ल में एक नयी चुनौती एवं जटिल समस्या को लेकर आया है। घरों में इस्लेमाल होनेवाले कूलर, वाशिंग मशीन, एयर कंडीशनर जैसी वश्तुओं के अलावा कार्यालय में लैपटॉप, कम्पयूटर, मोबाइल, डिजिटल घड़ी, टीवी तय समय के बाद ई-कचरे में परिवर्तित हो जाते हैं।

इस ई-कचरे का निपटान बड़ी समस्या है। इसी क्रम में पूर्व दिल्ली सरकार ने घोषणा की थी कि दिल्ली में भारत का पहला ई-कचरा इको-पार्क खोला जायेगा। 20 एकड़ में बनने वाले इस पार्क में बैटरी, इलेक्ट्रॉनिक सामान, लैपटॉप, चार्जर, मोबाइल और पीसी से अनूठे एवं दर्शनीय चीजों को निर्मित किया जायेगा।

इसी कड़ी में कानपुर में ई-वेस्ट प्रबंधन का एक बेहतरीन मॉडल सामने आया है। यहां जयपुर के एक कलाकार ने ई-वेस्ट से 10 फीट लंबी मूर्ति बनाई है। इसे बनाने में 250 डेस्कटॉप और 200 मदरबोर्ड, केबल और ऐसी अनेक खराब इलेक्ट्रॉनिक वश्तुओं का इश्तेमाल किया गया है।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक श्रीमती आशा शर्मा द्वारा 707 मंदाकिनी टावर सेक्टर -4, वैशाली गाजियाबाद (उत्तर प्रदेश) भारत से प्रकाशित एवं एन.सी.आर. प्रिंटर्स, 15/19 साइट-4, साहिबाबाद इंडस्ट्रीयल एरिया जनपद गाजियाबाद से मुद्रित। **संपादक** : संजय शर्मा
फोन: 9899683800 वेबसाइट : www.ncrtoday.in **ई-मेल:** todayncr@gmail.com >> ncrtoday@hotmail.com **RNI-**UPHIN/2009/30721

संक्षिप्त समाचार

गोंडा-अलीगढ़ मार्ग पर निर्माण कार्य में धांधली, घटिया सामग्री उपयोग

अलीगढ़ , एजेंसी। गोंडा-अलीगढ़ मार्ग पर हो रहे निर्माण कार्य में धांधली और घटिया सामग्री के उपयोग का आरोप लगाते हुए मुख्यंत्री को शिकायती पत्र भेजा गया है।

गांव रुदायन उर्फ तारापुर निवासी पूर्व क्षेत्र पंचायत सदस्य गजेंद्र प्रसाद ने गोंडा-अलीगढ़ मार्ग के आठ किलोमीटर के क्षतिग्रस्त हिस्से में चल रहे निर्माण कार्य में धांधली का आरोप मढ़ा है। कहा कि लोक निर्माण विभाग दो माह से उन्हें सड़क निर्माण के स्टीमेट के संबंध में जानकारी मुहैया नहीं करा रहा है। सड़क पर गड्ढे बहुत ज्यादा है।

शिकायत में कहा है कि सड़क पर डाली गई रोड़ी जली है और डामर से नहीं चिपकने से उखड़ रही है। लाल पत्थर भी कम डाला गया है। कहा कि सड़क के दोनों साइड पर मोटाई सही नहीं है। मुख्यमंत्री को पत्र भेजकर सड़क निर्माण कार्य की जांच कराने और कार्यवाही की मांग की है।

ट्रक की टक्कर से बाइक सवार दो किशोरों समेत तीन की दर्दनाक मौत

कानपुर , एजेंसी। कानपुर सागर हाईवे पर बरीपुरा के पास तेज रफ्तार ट्रक की टक्कर से बाइक सवार दो किशोर समेत तीन लोगों की मौत हो गई। दुर्घटना को अंजाम देकर भाग रहे ट्रक को पुलिस ने खन्ना टोल प्लाजा के पास पकड़ लिया। बाइक सवार हेलमेट नहीं लगाए थे। इससे उनके सिर पर गंभीर चोटें आई और मौके पर मौत हो गई। पुलिस दुर्घटना की जांच कर रही है। बताया जा रहा है कि मृतक एक शादी समारोह में खाना बनाकर वापस घर लौट रहे थे। मृतकों में 25 वर्षीय प्रमोद, 15 वर्षीय भारत व 17 वर्षीय जीतू निवासी महोबा शामिल हैं।

आइसक्रीम ने बिगाड़ी तबीयत: अंदर निकला लोहे का बोल्ट

अलीगढ़ , एजेंसी। अलीगढ़ में थाना बन्नादेवी क्षेत्र के शिवपुरी में 4 मई को आइसक्रीम में लोहे का बोल्ट व कुछ नुकीली चीजें निकल आई। इसे खाने से बच्चे की तबीयत बिगड़ गई। उसे चिकित्सक के यहां ले जाया गया।

उद्योग व्यापार मंडल के महानगर महामंत्री हेमंत गर्ग ने बताया कि रहमान चौक निवासी नईम खान अपने बच्चों के लिए बाजार से एक नामी कंपनी की आइसक्रीम लेकर गए थे। जैसे ही बच्चों ने आइसक्रीम खोल कर खाई तो पता लगा कि उसमें लोहे के बोल्ट और कुछ नुकीली चीजें निकली, जो उनके बच्चे के मुंह में चली गई। बच्चे को नजदीकी चिकित्सक के यहां ले जाया गया। यहां बोल्ट व नुकीली चीज को बाहर निकाला गया। मामले में थाने में शिकायत की गई है।

उत्तराखंड परिवहन निगम की बस ट्रैक्टर से टकराई, चालक की मौत...13 यात्री जख्मी

मुरादाबाद, एजेंसी। उत्तराखंड के काशीपुर डिपो की अनुबंधित बस तेज रफ्तार ईंटों से लदी ट्रैक्टर-ट्रॉली से टकरा गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि चालक महफूज आलम (25) की मौके पर ही मौत जबकि सवार 13 यात्री घायल हो गए। दुर्घटना सुबह ठाकुरद्वारा-मुरादाबाद हाईवे पर गांव फौलादपुर के पास हुई। चालक महफूज आलम ठाकुरद्वारा के गांव वोवदवाला का रहने वाला था। हादसे के बाद घायलों को स्थानीय लोगों की मदद से अस्पताल पहुंचाया गया। वहीं, मृतक के भाई ने सरकारी अस्पताल में उचित इलाज न मिलने का आरोप लगाकर जमकर हंगामा किया। पुलिस ने समझा-बुझाकर मामला शांत कराया। हंगामे के दौरान तोड़फोड़ की कोशिश में मृतक का भाई भी घायल हो गया।

अवध के कई जिलों में गिरे ओले, पूर्वांचल में चार मौतें

लखनऊ , एजेंसी। राजधानी में रविवार को दिन चढ़ने के साथ तपिश और उमस महसूस की गई, लेकिन दोपहर बाद तेज हवाओं और बादलों की आवाजाही से मौसम बदला। दोपहर बाद पुराने लखनऊ, ठाकुरगंज और बाराबंकी तथा हरदोई सीमा से सटे इलाकों में फुहारें भी पड़ीं। इस दौरान 40 से 50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलीं। मौसम विभाग का पूर्वानुमान है कि सोमवार को ऐसा ही मौसम रहने वाला है।

इसके पहले रविवार को रायबरेली सहित अवध के कई जिलों में ओले गिरे। अवध के साथ पूर्वांचल में भी मौसम बिगड़ा रहा। यहां बिजली और दीवार गिरने से चार लोगों की मौत हो गई।

मौसमी बदलाव से दिन के तापमान में 0.6 डिग्री और रात में 1.1 डिग्री की गिरावट आई है। बादलों की आवाजाही और तेज हवाओं ने शाम का मौसम बेहद खुशनुमा बना दिया। अधिकतम तापमान 37.9 डिग्री और न्यूनतम तापमान 24.5 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड हुआ।

आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र अमौसी के वरिष्ठ वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया कि पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने के साथ ही उत्तरी-पश्चिमी राजस्थान और पश्चिमी यूपी के ऊपर एक चक्रवाती परिसंचरण सक्रिय है। वहीं पूर्वा और दक्षिणी पश्चिमी हवाओं के समागम का भी प्रभाव है। इन वजहों से लखनऊ सोमवार को भी गरज चमक के साथ कहीं कहीं फुहारें पड़ सकती हैं। मंगलवार से सिस्टम कमजोर पड़ने के आसार हैं।

पूर्वांचल में रविवार को मौसम का मिजाज बदल गया।

तेज हवाएं चलने और बारिश से लोगों को उमस भरी गर्मी से राहत मिली। वाराणसी और गाजीपुर में ओलावृष्टि हुई। चंदौली, जौनपुर और सोनभद्र में बिजली गिरने से तीन लोगों की मौत हो गई। वहीं, जौनपुर में दीवार गिरने से एक महिला की जान चली गई। किसानों के अनुसार, करीब 50त्न आम की फसल बर्बाद हो गई।

रविवार की सुबह से बादलों की आवाजाही और हवा चलने के बाद दोपहर में आंधी, बारिश से मौसम बदल गया। वाराणसी के ग्रामीण इलाकों में आंधी से पेड़ों की डालियां टूटकर गिर गईं। ओलावृष्टि भी हुई।

जौनपुर में दोपहर में 50 मिनट तक की बारिश हुई। मछलीशहर के भाटाडीह गांव में बिजली गिरने से शीला देवी (35) की मौत हो गई। गांव पुराफगुई ताजुद्दीनपुर के उमाशंकर (12) और ज्योति (17) भी झुलस गए। खानकाह कला गांव की प्रेमादेवी (42) की दीवार गिरने से मौत हो गई। चंदौली के बरबसपुर गांव में बिजली गिरने से 17 वर्षीय हिना बानो की मौत हो गई। नौगढ़ में बिजली गिरने से दो भैंस मर गईं।

इसी तरह सोनभद्र के पचपेड़िया गांव के कमलेश पांडेय (50) पर बिजली गिर गई, जिससे उनकी मौत हो गई। गाजीपुर में करीब पांच मिनट तक ओलावृष्टि हुई। आंधी के कारण कई पेड़ गिर गए। भदोही और मिर्जापुर में आंधी के बाद हल्की बारिश हुई। बलिया में भी शाम को बादल छाए रहे।बीएचयू के मौसम वैज्ञानिक प्रो. मनोज श्रीवास्तव ने बताया कि दो दिन तक मौसम में उतार-चढ़ाव होता रहेगा। बादलों की आवाजाही के साथ तेज हवाएं भी चलेंगी।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आंधी-बारिश, ओलावृष्टि के दृष्टिगत संबंधित जिलों के अधिकारियों को पूरी तत्परता से राहत कार्य संचालित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि अधिकारी क्षेत्र का भ्रमण कर सर्वे करें तथा राहत कार्य पर नजर रखें। आकाशीय बिजली, आंधी तूफान, बारिश आदि आपदा से जनहानि और पशुहानि होने की स्थिति में तत्काल प्रभावितों को राहत राशि का वितरण करें। घायलों का समुचित उपचार कराया जाए। अधिकारी सर्वे कराकर फसल नुकसान का आकलन करते हुए आख्या शासन को भेजें, ताकि इस बाबत आगे की कार्यवाही की जा सके। उन्होंने निर्देश दिया कि जल जमाव की स्थिति होने पर प्राथमिकता पर जल निकासी की व्यवस्था कराई जाए।

शादी से पहले हार्ट अटैक से दुल्हन की मौत, रात में अचानक बिगड़ी थी तबीयत, मातम में बदलीं खुशियां

बदायूं, एजेंसी। बदायूं के इस्लामनगर थाना क्षेत्र के गांव नूरपुर पिनौनी में शादी से चंद घंटे पहले दुल्हन की मौत हो गई। सोमवार को मुरादाबाद से बरात आनी थी, लेकिन रविवार की रात अचानक दुल्हन की तबीयत बिगड़ गई। कुछ ही पलों में उसकी सांसें थम गईं। हार्ट अटैक से मौत की आशंका जताई गई है। इस घटना से शादी की खुशियां मातम में बदल गई। लड़का पक्ष को सूचना मिली तो वहां भी मातम छा गया।

नूरपुर पिनौनी निवासी दिनेश पाल सिंह की 20 वर्षीय बेटी दीक्षा की शादी मुरादाबाद में तय हुई थी। सोमवार को उसकी बरात गांव में ही आनी थी। इसको लेकर तैयारियां चल रही थीं। परिवार के सभी सदस्य डांस करके रात 12 बजे सोने को गए। परिजनों ने बताया कि रात को करीब डेढ़ बजे दीक्षा के पेट में दर्द उठा और वह टॉयलेट गई। वहीं उसकी हालत ज्यादा खराब हो गई।

घरवालों ने बताया कि टॉयलेट में ही उसकी बहुत तेजी से सांस आ रही थी। लड़की की मां सरोज ने उसे संभाला, तब तक उसकी गर्दन अकड़ गई। आनन फानन गांव के ही चिकित्सक को बुलाया, तब तक दीक्षा की सांस थम गई। दुल्हन की मौत से परिवार में कोहराम मच गया।

परिवार में इकलौती थी दीक्षा

दिनेश पाल सिंह के चार बेटों में से दीक्षा इकलौती और सबसे बड़ी थी। वह इस्लामनगर के एक डिग्री कॉलेज से बीए की पढ़ाई कर रही थी। परिवार वालों के मुताबिक उसे दिल की बीमारी थी। दिल्ली से उसका उपचार चल रहा था। आशंका है कि हार्ट अटैक से दुल्हन की मौत हुई है।

हल्दी और मेहंदी में कराया फोटोशूट

दीक्षा ने अपनी हल्दी में खूब फोटो शूट कराएं। इसको परिवार के व्हाट्सएप ग्रुप और सोशल मीडिया में भी शेयर किया। इसी तरह मेहंदी में भी दुल्हन की तरह सजकर फोटो शूट कराया। शादी से पहले दुल्हन की मौत से परिवार में कोहराम मचा है।

प्रदेश के पांच मेडिकल कॉलेजों पर लगा जुर्माना, नौ मई तक नहीं जमा किया जो फंस सकती हैं एमबीबीएस की सीटें

लखनऊ , एजेंसी। प्रदेश के पांच मेडिकल कॉलेजों पर राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग (एनएमसी) ने 50-50 हजार रुपये का जुर्माना लगाया है। यह जुर्माना वार्षिक घोषणा पत्र जमा नहीं करने की वजह से लगाया गया है। चेतावनी दी गई है कि वार्षिक घोषणा पत्र के साथ 3.54 लाख रुपये फीस और 50 हजार रुपये जुर्माना नौ मई तक जमा कर दें। अन्यथा वर्ष 2025-26 की एमबीबीएस की सीटों को मान्यता नहीं दी जाएगी। इससे चिकित्सा शिक्षा विभाग में हलचल मची हुई है।

प्रदेश के सभी मेडिकल कॉलेजों को हर साल वार्षिक घोषणा पत्र देना होता है। इसमें एमबीबीएस की सीटों के आधार पर कॉलेज में आधारभूत सुविधाएं, संकाय सदस्यों की संख्या, लैब आदि का ब्यौरा देना होता है। वार्षिक घोषणा पत्र के आधार पर एनएमसी की टीम मौका मुआयना करती है। फिर संबंधित कॉलेज की एमबीबीएस की सीटों को मान्यता देती है। एनएमसी की ओर से जारी नोटिस में बताया गया है कि देश के 15 मेडिकल कॉलेजों ने अभी तक वार्षिक घोषणा पत्र जमा नहीं किया है।

इसमें सर्वाधिक पांच उत्तर प्रदेश के हैं। एनएमसी ने कॉलेजों के प्रधानाचार्यों व विभागीय अधिकारियों को भी पत्र भेजा है। इसमें चेतावनी दी है कि वार्षिक घोषणा पत्र जमा करने के लिए पोर्टल खोला जा रहा है। नौ मई तक हर कॉलेज को घोषणा पत्र के साथ ही फीस के रूप में 3.54 लाख और 50 हजार रुपया जुर्माना जमा करना है। इसके बाद सुनवाई नहीं होगी। संबंधित कॉलेज की एमबीबीएस की सीटें को अगले सत्र (वर्ष 2025-26) के लिए मान्यता नहीं दी जाएगी। इस नोटिस के पहुंचते ही चिकित्सा शिक्षा विभाग में हलचल मची हुई है। संबंधित कॉलेज के प्रधानाचार्यों पर कार्रवाई की तलवार लटक रही है।

पिछले वर्ष से नहीं लिया सबक

राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग (एनएमसी) ने पिछले वर्ष केजीएमयू, बीएचयू, एमएलबीएमसी झांसी सहित 18 सरकारी एवं 19 निजी मेडिकल कॉलेजों पर जुर्माना लगाया था। सभी सरकारी कॉलेजों पर करीब 87 लाख और निजी कॉलेजों पर 1.36 करोड़ रुपया जुर्माना लगा था। पिछले वर्ष जुर्माना लगने की वजह अगल थी। एनएमसी ने कॉलेजों के निरीक्षण के बाद मिली कमियों को दूर करने का निर्देश दिया था, लेकिन कमियां दूर नहीं की गई। ऐसे में एनएमसी में कॉलेजों पर जुर्माना लगा दिया था। इसके बाद भी इस वर्ष सावधानी नहीं बरती गई। संसाधनों की व्यवस्था करके समय पर वार्षिक घोषणा पत्र जमा नहीं किया गया। अब एनएमसी ने अंतिम मौका दिया है।

अमरोहा में हत्या: राजमिस्त्री को पीट-पीटकर मार डाला, शरीर पर गहरे जख्म, पांच युवकों ने दिया घटना को अंजाम

अमरोहा , एजेंसी। हसनपुर कोतवाली इलाके के गांव सिरसा गुर्जर में रविवार रात राजमिस्त्री शीशपाल सिंह (32) की गंगा तट बंध मार्ग पर पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। इस मामले में गाजियाबाद के चार और हापुड़ के एक आरोपी को नामजद करते हुए केस दर्ज किया गया है।

आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस जल्द ही घटना का खुलासा करने की तैयारी कर रही है। परिजन इस घटना को किसी रंजिश से जोड़कर देख रहे हैं। कोतवाली क्षेत्र के गांव सिरसा गुर्जर में किसान विजयराम सिंह का परिवार रहता है। बताते हैं कि विजयराम का बेटा शीशपाल सिंह राजमिस्त्री का काम करके परिवार का पालन पोषण करता था। रविवार की रात करीब 11 बजे शीशपाल सिंह गांव के नजदीक निर्माणाधीन गंगा एक्सप्रेसवे के पास से गुजर रहे तटबंध मार्ग पर खड़े थे।

आरोप है कि यहां पर दो बाइकों पर सवार होकर पहुंचे पांच युवकों का शीशपाल से किसी बात पर विवाद हो गया और इस दौरान शीशपाल की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। उसकी जांघ के पास धारदार हथियार से भी हमला हुआ।

सूचना मिलते ही परिजन एवं ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। उन्होंने मौके से दो आरोपियों को पकड़ लिया और बेहोशी की हालत में घायल शीशपाल को बाइक पर बैठाकर हसनपुर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंचे।

जहां चिकित्सक ने मृत घोषित कर दिया। मौत की सूचना से परिजनों में शोक की लहर दौड़ गई। परिजन और ग्रामीण एकत्र होकर थाने पहुंच गए। परिजन इस घटना को शीशपाल सिंह से जुड़ी किसी तरह की रंजिश से जोड़कर देख रहे हैं।

हालांकि इसके पीछे की वजह क्या है इसके बारे में परिजन कुछ भी नहीं बता पा रहे हैं। परिजनों का यह भी कहना है कि शीशपाल सिंह के मोबाइल पर एक फोन आया था। जिसके बाद वह घर से अचानक बाहर चले गए थे।

सीओ दीप कुमार पंत ने बताया कि इस मामले में मृतक के पिता विजयराम की तहरीर पर गाजियाबाद के मुरादनगर थाना क्षेत्र के गांव भदौली निवासी विजय, रोहन, अजय, अभिषेक और हापुड़ के धौलाना थाना क्षेत्र के गांव नंदपुर निवासी इंद्रजीत के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज किया गया है। आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है।

शाहजहांपुर में जहर से प्रेमिका की मौत...

प्रेमी की हालत गंभीर; 10 मई को होनी थी युवती की शादी

शाहजहांपुर , एजेंसी। बरेली के खुटार थाना क्षेत्र के एक गांव में जहर से युवती की मौत हो गई। उसके घर में मौजूद प्रेमी को परिजनों ने पकड़ लिया और लड़की को जहर खिलाने का आरोप लगाते हुए पुलिस को सौंप दिया। प्रेमी ने भी जहर खाया है, उसे इलाज के लिए राजकीय मेडिकल कॉलेज भेजा गया है। युवती का मंगलवार को तिलक और पांच दिन बाद शादी होनी थी।

जानकारी के मुताबिक एक गांव निवासी 22 वर्षीय युवती का पवन कश्यप नाम के युवक से काफी दिनों से प्रेम प्रसंग चल रहा था। युवती के परिजन शादी को तैयार नहीं थे। उन्होंने युवती की शादी कहीं और तय कर दी थी। छह मई को तिलक और 10 मई को शादी होनी थी। पवन प्रेमिका की शादी दूसरी जगह होने तय से खफा था।

आरोप है कि वह प्रेमिका के परिजनों पर शादी कहीं और न करने के लिए दबाव बना रहा था। पुलिस के अनुसार रविवार रात पवन प्रेमिका के घर गया और इसके बाद दोनों ने जहर खा लिया। इससे प्रेमिका की घर में ही मौत हो गई। जानकारी होने पर लड़की के परिजनों ने पवन को अपने घर में ही पकड़ लिया गया और पुलिस बुलाकर सौंप दिया।

प्रेमी पर जबरन जहर देने का आरोप -उधर पवन के भी जहर खाने के चलते पुलिस ने उसे सीएचसी पर भर्ती कराया, जहां से उसे राजकीय मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है। लड़की के परिजनों का आरोप है कि पवन जबरिया शादी का दबाव बना रहा था। मना करने पर रात में घर में घुसकर लड़की को जबरन जहर देकर हत्या कर दी है।

सूचना पर थाना प्रभारी आरके रावत ने लड़की के शव पोस्टमार्टम को भेजने की कार्रवाई शुरू कर दी है। फॉरेंसिक टीम ने भी मौका मुआयना कर साक्ष्य एकत्र किए हैं। जिस युवती की शादी की तैयारियां हो रही थीं। उसकी मौत से परिवार में मातम पसर गया है।

डीजे पर डांस को लेकर विवाद, बरातियों ने दो युवकों को पीट-पीटकर मार डाला; ग्रामीणों ने शव रखकर सड़क की जाम

अमेठी, एजेंसी। यूपी के अमेठी में एक शादी समारोह में दो युवकों की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। घटना से आक्रोशित परिजन एवं ग्रामीणों ने सोमवार की सुबह शवों को रायबरेली-सुल्तानपुर मार्ग पर रखकर हंगामा शुरू कर दिया। इससे सड़क पर लंबा जाम लग गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने प्रदर्शन कर रहे लोगों को समझाने का प्रयास किया। हंगामा कर रहे लोग नामजद आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग पर अड़े रहे। घटना गौरीगंज कोतवाली क्षेत्र के सरैया गांव की है। क्षेत्र के ही पूरे लोधन राजगढ़ निवासी आशीष (19) गांव के ही रवि (18) के साथ शनिवार की रात सरैया गांव अपनी मौसी के घर शादी समारोह में शामिल होने गए थे। वहां डीजे पर डांस करने को लेकर बरातियों से कहासुनी हो गई। बताया गया कि इसके बाद दोनों युवक बाइक लेकर वहां से निकल आए। रास्ते में बाइक अनियंत्रित होकर एक पेड़ से टकरा गई। इससे दोनों गिर गए। इसी दौरान पीछा करके आए दबंगों ने लाठी-डंडों और धारदार हथियार से दोनों पर हमला कर दिया। दोनों को पीट-पीटकर मरणासन्न कर

दिया। घटना देख आसपास के लोग भागकर पहुंचे। इससे पहले आरोपी वहां से फरार हो गए। लोगों की मदद से घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया।

वहां हालत नाजुक देखते हुए उन्हें ट्रामा सेंटर, लखनऊ के लिए रेफर कर दिया गया। लखनऊ ले जाते समय आशीष ने रास्ते में दम तोड़ दिया। वहीं इलाज के दौरान कुछ ही घंटों में रवि की सांसें थम गईं। घटना के बाद आशीष के पिता शिव बहादुर ने थाने पहुंचकर आठ नामजद और पांच अज्ञात लोगों के खिलाफ तहरीर दी। पोस्टमार्टम के बाद सोमवार की सुबह शव गांव पहुंचे तो परिजन और ग्रामीण उग्र हो गए। उन्होंने आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर रायबरेली-सुल्तानपुर मार्ग पर शव रखकर जाम लगा दिया। सूचना पर सीओ अखिलेश वर्मा और एसएचओ श्याम नारायण पांडेय पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे।

ई-रिक्शा सवार की मौत

गोरखपुर-थाना क्षेत्र के सोनबरसा गांव के सामने रविवार रात करीब सवा दस बजे मिट्टी लदे डंपर से ई-रिक्शा को ठोकर लग गई। हादसे में ई-रिक्शा सवार चार लोगों में से एक युवक की मौत हो गई, जबकि तीन गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे से आक्रोशित लोगों ने तीन डंपरों को रोककर तोड़फोड़ करते हुए जमकर बवाल काटा। एक डंपर में आग भी लगा दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने किसी तरह से लोगों को शांत कराया और तीनों घायलों को बीआरडी मेडिकल कॉलेज भिजवाया। मृत युवक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया गया। जानकारी के मुताबिक, चिलुआताल थाना क्षेत्र के विशुनपुर सप्तहिया गांव निवासी जवाहिर प्रसाद (43) रविवार रात में गोरखपुर से काम कर ई-रिक्शा से घर लौट रहा था। ई-रिक्शा पर कुल चार लोग सवार थे। सोनबरसा गांव के ईंट-भट्ठे के समीप मिट्टी की ढुलाई कर रहे एक डंपर ने ई-रिक्शा में ठोकर मार दिया। हादसे में ई-रिक्शा सवार जवाहिर प्रसाद की घटनास्थल पर ही मौत हो गई।

झोलाछाप को सरकारी दवा बेचने के मामले में सीएचसी का फार्मासिस्ट निलंबित

पीलीभीत , एजेंसी। पीलीभीत में झोलाछाप के क्लीनिक से सरकारी अस्पताल की दवा मिलने के मामले में सीएमओ ने बरखेड़ा सीएचसी के फार्मासिस्ट को निलंबित कर दिया है। सीएचसी अधीक्षक को नोटिस देकर जवाब मांगा गया है। जवाब संतोषजनक न होने पर अधीक्षक पर भी कार्रवाई हो सकती है।

चार दिन पहले बरखेड़ा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) के अधीक्षक ने एक झोलाछाप क्लीनिक को सील किया था। जांच में क्लीनिक से सीएचसी के दवा भंडार का अल्प्राजोलम दवा का डिब्बा मिला था। पूर्व में सीएचसी की सरकारी दवा झोलाछाप क्लीनिक पर बेचे जाने की शिकायत भी हुई थी। मामले को सीएमओ डॉ आलोक कुमार शर्मा ने गंभीरता से लिया और जांच कराई।

मामला सही पाए जाने पर सीएमओ ने फार्मासिस्ट राहुल कुमार को निलंबित कर दिया। सीएमओ ने बताया कि फार्मासिस्ट को निलंबित किया गया है। सीएचसी अधीक्षक को कारण बताओ नोटिस देकर जवाब मांगा गया है। जवाब संतोषजनक न मिलने पर एमओआईसी पर भी कार्रवाई की जाएगी।

आईसीसी लेटेस्ट रैंकिंग:

टेस्ट रैंकिंग में टीम इंडिया को झटका... इंग्लैंड ने पछाड़ा

नई दिल्ली, एजेंसी। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद की जारी ताजातरीन रैंकिंग में भारतीय टीम को झटका लगा है. सोमवार (5 मई) को सालाना रैंकिंग अपडेट के बाद भारतीय टीम ने ओडीआई और टी20 रैंकिंग में अपना पहला स्थान बरकरार रखा है. लेकिन टेस्ट रैंकिंग में उसे नुकसान हुआ है. अपडेटेड रैंकिंग में मई 2024 से अब तक खेले गए सभी मैचों को 100 प्रतिशत और पिछले दो वर्षों के मैचों को 50 प्रतिशत रेट दिया गया है.

टेस्ट में इंग्लैंड को हुआ जबरदस्त फायदा

भारतीय टीम अब टेस्ट रैंकिंग में एक स्थान लुढ़ककर चौथे पायदान पर आ गई है. बेन स्टोक्स की अगुआई वाली इंग्लैंड ने लंबी छलांग लगाई है और वो साउथ अफ्रीका और भारत दोनों को पीछे छोड़ते हुए दूसरे स्थान पर पहुंच गई है.

इंग्लैंड के रेटिंग अंक अब 113 हो चुके हैं, जबकि साउथ अफ्रीका के 111 और भारत के 105 अंक हैं. ऑस्ट्रेलिया ने टेस्ट रैंकिंग में टॉप स्थान बरकार रखा है. हालांकि वार्षिक अपडेट के बाद उसके अंक घटकर 126 हो गए हैं. टेस्ट रैंकिंग में बाकी टीमों के स्थान अपरिवर्तित हैं. न्यूजीलैंड पांचवें, श्रीलंका छठे, पाकिस्तान सातवें, वेस्टइंडीज आठवें, बांग्लादेश नौवें और जिम्बाब्वे दसवें नंबर पर है. टेस्ट रैंकिंग के लिए अभी केवल 10 टीमें ही योग्य हैं. आयरलैंड को रैंकिंग में जगह बनाने के लिए अगले 12 महीनों में एक और टेस्ट खेलना होगा, जबकि अफगानिस्तान को टेस्ट रैंकिंग में शामिल होने के लिए तीन और मैच खेलने होंगे. ओडीआई रैंकिंग में भारत के रेटिंग अंक 122 से बढ़कर 124 हो चुके हैं.

वनडे रैंकिंग में दूसरे स्थान पर न्यूजीलैंड है. न्यूजीलैंड ने ऑस्ट्रेलिया को पीछे छोड़ दिया है, जो अब तीसरे स्थान पर है. श्रीलंका चौथे नंबर पर है, जबकि पाकिस्तान एक पायदान उठकर पांचवें नंबर पर आ चुका है. साउथ अफ्रीका एक स्थान गिरकर छठे और अफगानिस्तान चार अंकों के फायदे के बाद सातवें स्थान पर पहुंच गया है. वहीं इंग्लैंड आठवें स्थान पर खिसक गया है. वेस्टइंडीज पांच अंक और हासिल करके नौवें और बांग्लादेश दसवें नंबर पर है.

उधर टी20 रैंकिंग में भारतीय टीम 271 रेटिंग अंकों के साथ टॉप पर है, हालांकि दूसरे स्थान पर काबिज ऑस्ट्रेलिया पर उसकी बढ़त 10 से घटकर नौ अंक रह गई है. इंग्लैंड तीसरे नंबर पर है. जबकि न्यूजीलैंड, वेस्टइंडीज और साउथ अफ्रीका क्रमशः चौथे, पांचवें और छठे स्थान पर है. श्रीलंका एशियाई प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान (8) को पछाड़कर रैंकिंग में 7वें स्थान पर आ चुका है.

बांग्लादेश और अफगानिस्तान क्रमशः नौवें और दसवें स्थान पर है. पहली बार ऐसा हुआ है कि वार्षिक अपडेट के बाद टी20 रैंकिंग में 100 टीमें शामिल की गई हैं. अपडेट की गई सूची में वे सभी टीमें शामिल हैं जिन्होंने पिछले तीन सालों में कम से कम आठ टी20 इंटरनेशनल मुकाबले खेले. टी20 रैंकिंग 2019 में लॉन्च की गई थी और इसमें तब 80 टीमें शामिल थीं.

डोपिंग

तीन साल में 233 एथलीट्स ने डोपिंग की बात स्वीकार की, इन खिलाड़ियों में राष्ट्रमंडल चैंपियन हजारिका भी

नई दिल्ली, एजेंसी। इनमें 22 खिलाड़ी नाबालिग हैं। डोपिंग करने वाले सबसे ज्यादा 72 खिलाड़ी एथलेटिक्स से हैं। दूसरा स्थान वेटलिफ्टरों का है, जिनके 54 खिलाड़ियों ने डोपिंग करना स्वीकार किया है। खेलों में शक्तिवर्धक दवाओं का प्रयोग तो आम है, पर इनके सेवन की स्वीकारोक्ति से खिलाड़ी इन्कार करते रहे हैं, लेकिन बीते तीन वर्षों में 233 खिलाड़ियों ने राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी (नाडा) के समक्ष फंसने के बाद डोपिंग करने की बात स्वीकार की है। इनमें कई नामी खिलाड़ी भी शामिल हैं। 2023 में राष्ट्रमंडल वेटलिफ्टिंग चैंपियनशिप का स्वर्ण जीतने वाली और बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों में देश का प्रतिनिधित्व करने वाली पॉपी हजारिका ने भी बीते माह डोपिंग करने की बात स्वीकारी है। यह संभव हुआ है, 2021 में लाए गए वाडा के नए नियम के तहत। अगर डोप पॉजिटिव खिलाड़ी यह स्वीकार कर लेता है कि उसने डोपिंग की है तो उसे कुल प्रतिबंध में से एक साल की छूट दी जाती है।

तीन ने कई दवाओं का सेवन स्वीकारा

इनमें 22 खिलाड़ी नाबालिग हैं। डोपिंग करने वाले सबसे ज्यादा 72 खिलाड़ी एथलेटिक्स से हैं। दूसरा स्थान वेटलिफ्टरों का है, जिनके 54 खिलाड़ियों ने डोपिंग करना स्वीकार किया है। इनमें से तीन खिलाड़ी ऐसे हैं, जिन पर पांच वर्ष का प्रतिबंध लगा है।

धोनी को कॉल करें...

● वीरेंद्र सहवाग ने बताया ऋषभ पंत की खराब फॉर्म का इलाज

नई दिल्ली, एजेंसी। ऋषभ पंत ने आईपीएल 2025 की शुरुआत सनसनी मचाकर की थी. वो इस लीग के इतिहास के सबसे महंगे खिलाड़ी के तौर पर उतरे थे. इसलिए उनसे काफी उम्मीदें थीं, लेकिन वो इस पर खरे नहीं उतरे. पंत पूरे सीजन में खराब फॉर्म से जूझते रहे हैं. पंजाब किंग्स के खिलाफ वो 17 गेंद में 18 रन बनाकर आउट हो गए थे. वहीं इस सीजन में वो 11 मैचों में 12.8 की औसत और 99 के स्ट्राइक रेट से सिर्फ 128 रन बना सके हैं. उनके इस प्रदर्शन को देखकर टीम इंडिया के दिग्गज ओपनर वीरेंद्र सहवाग ने अपनी प्रतिक्रिया दी है. उन्होंने पंत को वापस अपने लय में लौटने का इलाज बताया है. उन्होंने धोनी से कॉल करके बात करने की सलाह दी है. वीरेंद्र सहवाग ने लखनऊ सुपर जायंट्स और पंजाब किंग्स के मुकाबले को क्रिकबज पर एनालिसिस के दौरान सलाह दी कि पंत को अपनी बल्लेबाजी के पुराने वीडियो देखने चाहिए, जिसमें उन्होंने रन बनाए हैं. उन्होंने आगे कहा कि चोट के बाद एलएसजी के कप्तान बदल गए हैं. इसके अलावा सहवाग का मानना है कि अगर पंत धोनी को अपना आदर्श मानते हैं तो फोन पर उनसे बात करनी चाहिए. सहवाग ने कहा, उनके पास फोन है. वह उसे उठाकर जिसे चाहे कॉल कर सकते हैं. अगर उन्हें लगता है कि वो मानसिक रूप से वह ठीक से नहीं सोच पा रहे हैं तो ऐसे कई क्रिकेटर हैं जो उसकी मदद कर सकते हैं. अगर वह धोनी को अपना आदर्श मानते हैं तो उन्हें धोनी से बात करनी चाहिए. मैच के बाद खुद पंत ने हार के लिए खराब फील्डिंग को दोषी ठहराया. हालांकि, उन्होंने ये जरूर कहा कि हर वक्त टॉप ऑर्डर के बल्लेबाजों से रन की उम्मीद नहीं की जा सकती है. लेकिन उन्होंने अपनी बैटिंग का जिक्र नहीं किया.

रायुडू ने पंत को बताया जिद्दी

पूर्व भारतीय क्रिकेटर अंबाती रायुडू ने पंत के खराब फॉर्म को लेकर दुख जताया. लेकिन उन्होंने पंत को जिद्दी भी बताया. उनका कहना था कि पंत अपना दृष्टिकोण बदलने को तैयार नहीं हैं. ऐसा सभी खिलाड़ियों के साथ होता है, लेकिन उम्मीद है कि वो ज्यादा जिद्दी नहीं बनेंगे और अपने लिए चीजों को और ज्यादा खराब नहीं करेंगे. रायुडू ने आगे कहा कि पंत के पास मिडिल ऑर्डर में खेलने की स्किल्स हैं, लेकिन इसे ठीक तरीके लागू करने की मानसिकता नहीं है.

अर्शदीप सिंह ने लखनऊ पर जीत के बाद किया रणनीति का खुलासा

धर्मशाला, एजेंसी। पंजाब किंग्स की लखनऊ सुपर जॉइंट्स के खिलाफ आईपीएल मैच में जीत में अहम भूमिका निभाने वाले तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह का जीवन जीने का तरीका बेहद सरल है, बहुत आगे के बारे में नहीं सोचना और वर्तमान में जीने का पूरा आनंद लेना। अर्शदीप ने लखनऊ के चोटी के तीन बल्लेबाजों को आउट करके पंजाब को शानदार शुरुआत दिलाई। उन्होंने अब तक आईपीएल के वर्तमान सत्र में 11 मैचों में 16 विकेट ले लिए हैं और प्रसिद्ध कृष्णा (19 विकेट) और जोश हेजलवुड (18 विकेट) के बाद सर्वाधिक विकेट लेने वाले गेंदबाजों की सूची में तीसरे स्थान पर हैं। अर्शदीप ने मैच के बाद कहा, 'मैं बहुत आगे के बारे में नहीं सोचता और अभी केवल वर्तमान में जीने का पूरा आनंद ले रहा हूं। हम एक बार में एक मैच पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। यहां शुरू में गेंद को थोड़ा मूवमेंट मिल रहा था और मैंने वास्तव में इसका पूरा आनंद लिया। अर्शदीप खुश हैं कि वह पावरप्ले के अंदर मिशेल मार्श, एडेन मार्क्रम और निकोलस पूरन जैसे धाकड़ बल्लेबाजों के विकेट लेने में सफल रहे। उन्होंने कहा, 'मैं बस उसे (मार्श को आउट करने के लिए नेहल वढेरा का कैच) गेंद की ओर दौड़ते हुए देख रहा था। मैं प्रार्थना कर रहा था बस इसे पकड़ लो क्योंकि आप जानते हैं कि मिच एक बहुत ही खतरनाक खिलाड़ी है। इस विकेट का पूरा श्रेय नेहल को जाता है। अर्शदीप ने कहा, 'लखनऊ के चोटी के तीन बल्लेबाज ही अधिक रन बना रहे थे इसलिए हमने सोचा कि अगर हम उनको जल्दी आउट कर देते हैं तो हमारा पलड़ा भारी रहेगा। हमने अपनी रणनीति पर अच्छी तरह से अमल किया।

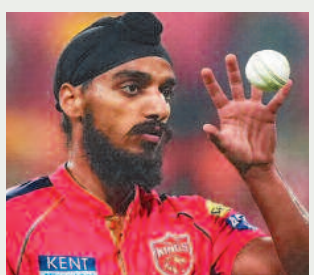

वैभव सूर्यवंशी ब्रायन लारा को मानते हैं अपना आइडल

नई दिल्ली, एजेंसी। 14 साल के वैभव सूर्यवंशी का जन्म भी ढक्कर शुरू होने के 3 साल बाद हुआ. इस युवा खिलाड़ी ने IPL 2025 में वो कारनामा कर दिया, जो विराट कोहली, एमएस धोनी, रोहित शर्मा जैसे दिग्गज सालों से नहीं कर पाए. वह अब टूर्नामेंट में सबसे तेज शतक (35 गेंदों में) लगाने वाले दूसरे और पहले भारतीय खिलाड़ी बन गए हैं. वैभव सूर्यवंशी का आइडल क्रिकेटर कौन है? आप अगर इसका अनुमान लगाए तो विराट, धोनी, कोहली का नाम लेंगे क्योंकि जब सूर्यवंशी क्रिकेट के गुर सीख रहे थे तब ये दिग्गज देशभर में छाए हुए थे और अपना नाम बना चुके थे. आप सचिन तेंदुलकर के बारे में भी सोच सकते हो, लेकिन ऐसा नहीं है. उनका आइडल क्रिकेटर कोई भारतीय नहीं बल्कि वेस्टइंडीज के दिग्गज ब्रायन लारा हैं.

ब्रायन लारा हैं सूर्यवंशी के आइडल क्रिकेटर

वैभव सूर्यवंशी ने 2024 अंडर-19 एशिया कप के दौरान बातचीत में बताया था कि उनके आइडल क्रिकेटर ब्रायन लारा हैं, जो उन्ही की तरह बाएं हाथ के बल्लेबाज हैं. उन्होंने ये भी कहा था कि मैं उनके आस-पास क्या हो रहा है वह उससे परेशान नहीं है. उन्होंने कहा था, मैं फिलहाल अपने खेल पर ध्यान केंद्रित कर रहा हूं. मेरे आसपास क्या हो रहा है, इससे मैं परेशान नहीं हूं. मैं पहले एशिया कप पर ध्यान केंद्रित करना चाहता हूं और फिर एक-एक मैच पर ध्यान केंद्रित करना चाहता हूं. ब्रायन लारा मेरे आइडल क्रिकेटर हैं. मैं उनकी तरह खेलने की कोशिश करता हूं, बाकी मैं अपने कौशल के साथ स्वाभाविक खेलने की कोशिश करता हूं और मैं इस पर काम करना चाहता हूं.

वैसे ब्रायन लारा ने अपना आखिरी अंतर्राष्ट्रीय मैच 2008 में खेला था, इसके करीब 3 साल बाद वैभव सूर्यवंशी का जन्म हुआ था. तो सूर्यवंशी ने लारा को खेलते हुए तो नहीं देखा लेकिन जरूर उनके पुराने वीडियो देखकर उनसे प्रेरणा ली होगी.

ना ये दुबे जी चले, ना वो दुबे जी...

24 घंटे के अंदर आईपीएल में हीरो बनने के एक जैसे मौके गंवाए

नई दिल्ली, एजेंसी। कहते तो हैं कि चौबे जी चले थे छब्बे जी बनने, बन गए दुबे जी. लेकिन, हमारी आईपीएल की स्टोरी में किरदार पहले से ही सिर्फ एक हैं और वो हैं- दुबे जी. एक वो दुबे जी जिन्हें उनकी आईपीएल फ्रेंचाइजी ने 12 करोड़ में रिटेन किया था.

और दूसरे वो दुबे जी जिन्हें पहले वाले से 11.20 करोड़ रुपये की कम कीमत पर खरीदा गया था. यानी, उनकी फ्रेंचाइजी ने उन्हें सिर्फ 80 लाख रुपये में खरीदा था. लेकिन, आईपीएल 2025 में जब मौका मिला तो ना 12 करोड़ वाले दुबे जी चले और ना ही 80 लाख वाले. 24 घंटे के अंतराल पर दोनों को सेम टू सेम एक जैसे काम को अंजाम देकर हीरो बनने के मौके मिले थे. मगर दोनों ही फेल रहे. जानना चाहते हैं आईपीएल 2025 में एक ही जैसे काम को अंजाम देने में फेल हुए ये दोनों दुबे जी हैं कौन? उनमें एक हैं 12 करोड़ रुपये में ह्रस्य से जुड़े शिवम दुबे और दूसरे हैं 80 लाख रुपये में राजस्थान रॉयल्स का दामन थामने वाले शुभम दुबे. अब सवाल है कि दोनों को एक जैसे ही काम करने के मौके मिले कब और कहां? तो ऐसा आईपीएल 2025 के मंच पर ही हुआ.

3 मई को शिवम दुबे फेल, 4 मई को शुभम दुबे फेल

3 मई की शाम जैसी सिचुएशन चेन्नई सुपर किंग्स के शिवम दुबे के सामने पैदा हुई. ठीक वैसे ही हालात 4 मई की शाम राजस्थान रॉयल्स के शुभम दुबे के सामने भी बने. 3 मई को शिवम दुबे को भी आरसीबी के खिलाफ मैच की अंतिम 3 गेंदों पर 13 रन बनाने का टारगेट मिला था. और 4 मई को वही 13 रन 3 गेंदों पर बनाने को शुभम दुबे को भी केकेआर के खिलाफ बनाने को मिले. मगर ना तो शिवम दुबे लक्ष्य को भेद सके और ना ही शुभम दुबे. दोनों दुबे जी की नाकामी का सिला उनकी टीमों को हार के तौर पर भुगतना पड़ा.

दोनों दुबे जी की टीम प्लेऑफ की रेस से बाहर

बड़ी बात ये है कि अब दोनों दुबे जी की टीम आईपीएल 2025 के प्लेऑफ की दौड़ से बाहर है. शिवम दुबे की टीम सबसे पहले रेस से बाहर होने वाली टीम बनीं. वहीं शुभम दुबे की टीम राजस्थान रॉयल्स ने उसके पीछे नंबर लगाया.

स्लोवेनिया के फेडोसीव नें जीता सुपरबेट रैपिड और ब्लिट्ज़ का खिताब

● भारत के प्रज्ञानन्दा को तीसरा स्थान

वारशॉ, पोलैंड (एजेंसी)। ग्रांड चैस टूर 2025 के पहले पड़ाव सुपरबेट रैपिड और ब्लिट्ज़ शतरंज का खिताब स्लोवेनिया के ग्रैंडमास्टर व्लादिमीर फेडोसेव ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अपने नाम कर लिया । उन्होने रैपिड और ब्लिट्ज़ दोनों में मिलाकर 26.5 स्कोर के साथ तीन राउंड शेष रहते हुए खिताब अपने नाम कर लिया। उन्होंने रैपिड वर्ग में एक भी मुकाबला नहीं हारा और पूरी प्रतियोगिता में केवल एक हार झेली, वह भी ब्लिट्ज राउंड 12 में पोलैंड के जान-क्रिज़्स्टॉफ डूडा के खिलाफ। यह ग्रैंड चेस टूर के इतिहास में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शनों में से एक माना जा रहा है।

फ्रांस के मैक्सिम लागरेव ने अंतिम दिन 9 में से 7 अंक अर्जित कर कुल 21.5/36 स्कोर के साथ दूसरा स्थान हासिल किया जबकि भारत के आर प्रग्गनानंधा ने ब्लिट्ज के दूसरे दिन 5/9 अंक अर्जित किए और कुल 20.5/36 के स्कोर के साथ तीसरे स्थान पर रहे।

प्रतियोगिता में पहले तीन स्थान प्राप्त खिलाड़ियों को क्रमशः . 40000,. 30000 और . 25000 की पुरस्कार राशि प्रदान की गई।

फेडोसीव को इस टूर्नामेंट में वाइल्ड कार्ड एंट्री मिली थी लेकिन उन्होंने इसे पूरी तरह सार्थक किया। यह उनके करियर का कोई आकस्मिक प्रदर्शन नहीं है–वह 2017 में विश्व रैपिड के संयुक्त विजेता थे, जहां प्लेऑफ में उन्हें विश्वनाथन आनंद से हार का सामना करना पड़ा था। वहीं 2023 में उन्होंने पुनः दूसरा स्थान प्राप्त किया ।

जॉन सीना की एक्स गर्लफ्रेंड करती रही मिन्नतें

डब्ल्यूडब्ल्यूई ने टोटल दिवास पर सुना दिया बड़ा फैसला

नई दिल्ली, एजेंसी। डब्ल्यूडब्ल्यूई का रियलिटी शो टोटल दिवाज जल्द वापस नहीं आएगा। निक्की बेला और नाओमी जैसी पूर्व स्टार्स शो को फिर से शुरू करना चाहती हैं, लेकिन डब्ल्यूडब्ल्यूई इस विचार के साथ नहीं है।

टोटल दिवाज शो में महिला डब्ल्यूडब्ल्यूई सुपरस्टार्स की जिंदगी दिखाई जाती थी। यह शो 10 दिसंबर, 2019 को बंद हो गया था। अब, डब्ल्यूडब्ल्यूई ने शो को वापस लाने की कोई योजना नहीं बनाई है। टोटल दिवाज की वापसी को लेकर सोशल मीडिया पर कई बातें हो रही थीं, लेकिन फाइट फुल सेलेक्ट की एक रिपोर्ट के अनुसार टोटल दिवाज को फिर से शुरू करने की कोई योजना नहीं है।

नाओमी चाहती हैं शो की वापसी

शो के बंद होने की अफवाहों के बावजूद, नाओमी और निक्की बेला जैसी पूर्व कलाकारों ने शो को वापस देखने की इच्छा जताई है। कैजुअल कन्वर्सेशन के साथ एक इंटरव्यू में, नाओमी ने शो के वापस आने पर एक अलग विचार पेश किया। उन्होंने अपने समय को याद करते हुए कहा, शुरुआती दिनों में हमें डॉक्यूमेंट करना बहुत अच्छा था। अब, नई पीढ़ी को अपने करियर की शुरुआत में देखना अविश्वसनीय होगा। इसका मतलब है कि नाओमी चाहती हैं कि शो में नई महिला रेसलर्स की जिंदगी दिखाई जाए। जॉन सीना की एक्स गर्लफेंड निक्की बेला ने द निक्की एंड ब्री शो के एक एपिसोड में कहा कि उनसे टोटल दिवाज की वापसी के बारे में हमेशा पूछा जाता है। उन्होंने कहा कि वह शो को फिर से शुरू करने के लिए तैयार हैं। निक्की बेला चाहती हैं कि पुरानी स्टार्स के साथ कुछ नई स्टार्स को भी शो में शामिल किया जाए। उन्होंने सेक्स एंड द सिटी के रीबूट एंड जस्ट लाइक दैट का उदाहरण दिया। इससे पता चलता है कि वह शो को नए और पुराने दर्शकों के लिए दिलचस्प बनाना चाहती हैं।

फैंस हुए निराश

हालांकि डब्ल्यूडब्ल्यूई ने अभी तक टोटल दिवाज को वापस लाने की कोई योजना नहीं बनाई है। लेकिन यह देखना दिलचस्प होगा कि क्या वे भविष्य में अपना विचार बदलते हैं। डब्ल्यूडब्ल्यूई के फैसले से कई फैंस निराश हो सकते हैं। क्योंकि यह शो काफी लोकप्रिय था। टोटल दिवाज ने महिला रेसलर्स को मुख्यधारा में लाने में मदद की। इस शो ने दर्शकों को उनकी निजी जिंदगी और करियर के बारे में जानने का मौका दिया। निक्की बेला और नाओमी जैसी स्टार्स ने शो के माध्यम से अपनी पहचान बनाई।